मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 9 जून 2026
संवत 2083, अधिक ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा 9 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 265, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ भारत के लिए भारतीय जीवन शैली
मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहती जाह्नवी ◂◂ 6

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने धरती आबा को पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : झारखंड के अमर क्रांतिकारी और उलगुलान आंदोलन के प्रणेता भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर मंगलवार को पूरे राज्य में उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया। राजधानी रांची के कोकर स्थित उनकी समाधि स्थल पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर दोनों ने भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, त्याग और आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए किए गए योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि जल, जंगल, जमीन और स्वाभिमान की रक्षा के लिए धरती आबा ने जो लड़ाई लड़ी, वह आज भी समाज को प्रेरित करती है। श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। समाधि स्थल पर लोगों ने भगवान बिरसा मुंडा के प्रति अपनी आस्था और सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान पूरा परिसर धरती आबा अमर रहें के नारों से गूंजता रहा।इस मौके पर राज्य सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चलने और उनके सपनों के अनुरूप समृद्ध, सशक्त तथा न्यायपूर्ण झारखंड के निर्माण के संकल्प को दोहराया।

सांप के डंसने से पिता-पुत्र की मौत झाड़-फूंक में गंवाया अनमोल समय

संवाददाता

रांची : अनगड़ा प्रखंड के बैजनाथ टाटा गांव में करैत सांप के डंसने से पिता-पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

जानकारी के अनुसार, गर्मी से राहत पाने के लिए 35 वर्षीय सुधीर महतो अपने 10 वर्षीय पुत्र रितेश महतो के साथ कच्चे मकान के फर्श पर सो रहे थे। इसी दौरान देर रात करीब एक बजे करैत सांप ने दोनों को डंस लिया। गहरी नींद में होने के कारण दोनों को तत्काल सर्पदंश का एहसास नहीं हुआ।

कुछ देर बाद रितेश को उल्टियां होने लगीं। परिजनों ने जब कमरे की जांच की तो वहां सांप दिखाई दिया, लेकिन पिता-पुत्र ने सर्पदंश की आशंका से इनकार कर दिया। इसके बाद परिजनों ने सांप को मार दिया और सभी वापस सो गए।

सुबह होते-होते सुधीर महतो और रितेश महतो की तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी। परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक कराने लगे। हालत गंभीर होने पर दोनों को इलाज के लिए रिम्स ले जाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने जांच के बाद पिता-पुत्र को मृत घोषित कर दिया। घटना के समय सुधीर महतो की पत्नी अपनी बेटी के साथ दूसरे कमरे में सो रही थीं। रिम्स में पोस्टमार्टम के बाद दोनों शवों को परिजनों को सौंप दिया गया। पिता-पुत्र की एक साथ मौत से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। वहीं, सूचना मिलने पर भाजपा नेता अमरनाथ चौधरी, कांग्रेस नेता छोटेलाल महतो एवं पूर्व मुखिया मधुसूदन मुंडा ने जिला प्रशासन से पीड़ित परिवार को सरकारी प्रावधान के तहत चार-चार लाख रुपये का मुआवजा देने की मांग की है। विशेषज्ञों का कहना है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक के बजाय पीड़ित को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाना चाहिए, ताकि समय रहते एंटी-वेनम उपचार देकर जान बचाई जा सके।

केदारनाथ जा रहे तीर्थयात्री की गोली मारकर हत्या, पुलिस जांच में जुटी

संवाददाता

हजारीबाग : जिले के बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत करसो पुल के समीप अज्ञात अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। युवक तीर्थ यात्रा करने केदारनाथ जा रहे थे। मृतक की पहचान शहर के ओकनी निवासी विक्की सोनी के रूप में हुई है। इस हत्या ने लोगों को चौंका दिया है। साथ ही पुलिसिंग पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। मिली जानकारी के अनुसार विक्की सोनी अपने एक मित्र के साथ केदारनाथ तीर्थ यात्रा के लिए निकले थे। मित्र ने बताया कि वह उन्हें कोडरमा रेलवे स्टेशन छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान करसो पुल के पास उनकी कार पंचर हो गई। कार रुकने के कुछ देर बाद टायर खोलने के दौरान बाइक सवार दो अज्ञात अपराधी वहां पहुंचे और विक्की सोनी के गर्दन में गोली मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इधर, परिजन अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही बरही थाना प्रभारी विनोद कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बरही भेज दिया है।

नीति आयोग की बैठक 11 को सीएम हेमंत रखेंगे झारखंड का विकास रोडमैप

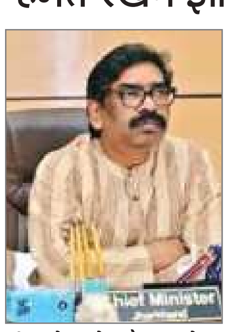

रांची : केंद्र सरकार की नीति निर्माण से जुड़ी प्रमुख संस्था नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक 11 जून को नई दिल्ली में आयोजित होगी। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक में देशभर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। झारखंड सरकार ने भी बैठक में भागीदारी को लेकर अपनी तैयारियां पूरी कर ली है।

जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार की ओर से बैठक में शामिल होने वाले मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों की सूची नीति आयोग को भेज दी गई है। इस संबंध में नीति आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी निधि छिब्बर ने मुख्य सचिव अविनाश कुमार को पत्र भेजकर बैठक की रूपरेखा और एजेंडा की जानकारी दी है। इस वर्ष बैठक का मुख्य विषय विकसित भारत के लिए मानव पूंजी रखा गया है। साथ ही दिसंबर 2025 में आयोजित मुख्य सचिवों के पांचवें राष्ट्रीय सम्मेलन में सामने आई प्राथमिकताओं और सुझावों पर भी चर्चा की जाएगी। बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड का नेतृत्व करेंगे। उनके साथ मुख्य सचिव अविनाश कुमार, योजना एवं विकास विभाग के सचिव मुकेश कुमार, दिल्ली स्थित झारखंड के रेसिडेंट कमिश्नर अरवा राजकमल और योजना एवं विकास विभाग की अपर सचिव विजया जाधव भी शामिल होंगी। नीति आयोग की ओर से मुख्यमंत्री को बैठक में शामिल होने के लिए औपचारिक आमंत्रण भी भेजा जा रहा है। माना जा रहा है कि इस बैठक में राज्यों के विकास, मानव संसाधन सशक्तीकरण और सुशासन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा होगी।

बड़कागांव में कोयला परियोजना पर फायरिंग कुख्यात राहुल दुबे गैंग ने ली जिम्मेदारी

हजारीबाग : बड़कागांव थाना क्षेत्र स्थित चंद्रगुप्त कोल परियोजना का काम कर रही सुश्री इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी एक बार फिर अपराधियों के निशाने पर आ गई है। बीती रात कंपनी के वाहनों पर हुई फायरिंग की घटना की जिम्मेदारी कुख्यात राहुल दुबे गैंग ने ली है। घटना के बाद सोशल मीडिया पर जारी एक प्रेस बयान में गैंग की ओर से कंपनी प्रबंधन को खुली धमकी दी गई है, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है। जानकारी के अनुसार, सोमवार रात करीब 10 बजे चंद्रगुप्त कोल परियोजना क्षेत्र में सुश्री इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी के वाहनों पर अज्ञात अपराधियों ने फायरिंग कर दी थी। घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। इसी बीच सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक प्रेस बयान में राहुल दुबे गैंग ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि यह कार्रवाई केवल कंपनी प्रबंधन को चेतावनी देने के लिए की गई है। जारी बयान में गैंग की ओर से कहा गया है कि कंपनी प्रबंधन के एक अधिकारी को संदेश देने के लिए यह फायरिंग की गई। बयान में लिखा गया है कि यह घटना सिर्फ उनके कान के पर्दे खोलने के लिए अंजाम दी गई है। गैंग ने अपने बयान में आगे और भी गंभीर धमकी दी है। कहा गया है कि यदि कंपनी प्रबंधन उनकी बात नहीं मानता है तो अगली बार निशाना कंपनी के वाहन नहीं बल्कि वहां काम करने वाले कर्मचारी होंगे। बयान में कहा गया है कि अगली कार्रवाई में हाईवा वाहनों के ड्राइवरों और साइट पर तैनात कर्मचारियों को निशाना बनाया जा सकता है। बयान में यह भी कहा गया है कि गैंग गरीब ड्राइवरों और कर्मचारियों को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहता, लेकिन यदि कंपनी प्रबंधन उनकी शर्तों के अनुसार सिस्टम में नहीं आता है तो जो भी व्यक्ति साइट पर दिखाई देगा, उसे निशाना बनाया जाएगा। हालांकि इस वायरल पोस्ट में कितना दम है, इसका आधिकारिक तौर पर कोई खुलासा नहीं हो पाया है।

रांची लौटे एशिया कप चैंपियन खिलाड़ी बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर हुआ जोरदार स्वागत

संवाददाता

रांची: जापान के काकामीगाहारा में आयोजित अंडर-18 एशिया कप 2026 में देश का नाम रोशन करने वाले झारखंड के आठ हॉकी खिलाड़ियों का मंगलवार को रांची पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर खिलाड़ियों के स्वागत के लिए खेल प्रेमियों, परिजनों, कोचों और हॉकी झारखंड के पदाधिकारियों की बड़ी संख्या मौजूद रही।

खिलाड़ियों के आगमन के साथ ही एयरपोर्ट परिसर देशभक्ति और खेल भावना से जुड़े नारों से गूंज उठा। दिल्ली में आयोजित हॉकी इंडिया के सम्मान समारोह में भाग लेने के बाद सभी खिलाड़ी अपने गृह राज्य झारखंड पहुंचे। एयरपोर्ट पर पारंपरिक तरीके से उनका अभिनंदन किया गया। खिलाड़ियों के हाथ धुलवाए गए, उन्हें फूल-मालाएं पहनाई गईं और ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने खिलाड़ियों की उपलब्धि पर गर्व जताते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

एशिया कप में झारखंड खिलाड़ियों का जलवा : जापान में 29 मई से 6 जून 2026 तक आयोजित अंडर-18 एशिया कप में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं, भारतीय महिला टीम ने कांस्य पदक जीतकर देश को एक और बड़ी उपलब्धि दिलाई। दोनों टीमों की सफलता में झारखंड के खिलाड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। भारतीय पुरुष टीम में झारखंड के आशीष तनी पूर्ति और प्रेमचंद शामिल थे। आशीष तनी पूर्ति पूरे टूनामेंट में शानदार फॉर्म में रहे और उन्होंने कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में निर्णायक भूमिका निभाई। वहीं, प्रेमचंद ने भी टीम के लिए प्रभावी प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीतने में योगदान दिया। महिला वर्ग में कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम में झारखंड की संदीपा कुमारी, पुष्पा मांझी, सुगन सांगा, खिली कुमारी, नीलम टोपनो और श्रुति कुमारी शामिल थीं। इन खिलाड़ियों ने पूरे टूनामेंट में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए भारत को पदक दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

एशिया कप में झारखंड के आठ खिलाड़ी हुए थे शामिल : खिलाड़ियों के स्वागत के दौरान हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह ने कहा कि यह झारखंड के लिए बेहद गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि झारखंड की धरती हमेशा से हॉकी प्रतिभाओं की जननी रही है। हमारे खिलाड़ियों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यदि उन्हें सही अवसर और संसाधन मिले तो वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

अंडर-18 एशिया कप में झारखंड के आठ खिलाड़ियों का भारतीय टीम का हिस्सा बनना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। पुरुष टीम का स्वर्ण और महिला टीम का कांस्य पदक जीतना राज्य के हॉकी इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय है। हमें अपने खिलाड़ियों पर गर्व है और हॉकी झारखंड उनके बेहतर भविष्य के लिए हर संभव सहयोग करता रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि इन खिलाड़ियों की सफलता राज्य के हजारों युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। आने वाले वर्षों में झारखंड से और अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे। इस अवसर पर हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह के अलावा अशोक भगत, आश्रिता लकड़ा, दशरथ महतो, हॉकी कोच करुणा पूर्ति, दूलारी टोपनो, मनीष तथा अन्य खेल प्रेमी मौजूद रहे। सभी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सीतामढ़ी में आंधी के दौरान कच्चे मकान पर गिरा पीपल का पेड़, एक परिवार के पांच लोगों की मौत

पटना : बिहार के सीतामढ़ी जिले में सोमवार देर रात तेज आंधी के दौरान बड़ा पीपल का पेड़ उखड़कर एक घर पर गिर गया। इस हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। यह घटना रीगा थाना क्षेत्र के रेवासी धनुशी टोला (वार्ड नंबर 1) में हुई। मृतकों की पहचान पूजा देवी (28), बेटी शिवानी (5) और तीन बेटों राजकुमार (7), वीरभद्र कुमार (2) और एक महीने के लायगर कुमार के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, परिवार कच्चे मकान में सो रहा था, जो एक पुराने पीपल के पेड़ के पास बना हुआ था।

रात करीब 11:30 बजे तेज हवाएं और भारी बारिश शुरू हुई, जिससे पेड़ उखड़ गया और सीधे घर पर गिर पड़ा। इससे पूरा मकान ढह गया और सभी पांच लोग मलबे में दब गए। सभी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर सदर एसडीपीओ, बीडीओ और रीगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों ने भी राहत और बचाव कार्य में मदद की और मलबा हटाया।

जिला प्रशासन ने प्रभावित परिवार को सरकारी नियमों के अनुसार मुआवजा और अन्य सहायता देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, मानसून 10 से 15 जून के बीच बिहार में प्रवेश कर सकता है। सोमवार शाम पश्चिम चंपारण जिले के बगहा क्षेत्र में भी तेज आंधी और बारिश से व्यापक नुकसान हुआ। तेज हवाओं के कारण कई पेड़ उखड़ गए। घरों को नुकसान पहुंचा और कई मुख्य सड़कें बाधित हो गईं। रामनगर-बखरी मुख्य सड़क पर बंजारिया चौक के पास एक बड़ा पेड़ गिरने से भारी जाम लग गया, जिससे हजारों यात्री घंटों तक फंसे रहे। रामनगर-लौरिया और रामनगर-नरकटियागंज मार्ग पर भी कई पेड़ गिरने से यातायात प्रभावित हुआ।

मौसम विभाग ने बिहार के कई जिलों के लिए चेतावनी जारी की है। पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, मधेपुरा, सहरसा, खगड़िया, भागलपुर, बांका, मुंगेर, जमुई, समस्तीपुर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सारण, सीवान और गोपालगंज सहित कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश और 40झ50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

इसके अलावा बुधवार के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया गया है, जिसमें 50झ60 किमी प्रति घंटे की तेज हवाएं, बिजली गिरने और भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। कोसी और सीमांचल क्षेत्र में इस दौरान भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है।

पीएम मोदी के 12 साल, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गिनाईं उपलब्धियां

नई दिल्ली : भारत के विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए मंगलवार को कहा कि विदेश मंत्रालय और भारत की विदेश नीति में पिछले 12 वर्षों में बदलाव आया है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई पहलों पर प्रकाश डाला। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने एक्स पर लिखा, 12 साल पहले नरेंद्र मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। पिछले 'सेवा के 12 साल' में, विदेश मंत्रालय और भारत की विदेश नीति में बदलाव आया है। पासपोर्ट जारी करने और दस्तावेज के अटेस्टेशन को आम नागरिक के लिए एक आसान अनुभव बनाया गया है। विदेश में खुले दूतावासों और भारतीय समुदाय के लिए वेलफेयर फंड के ज्यादा इस्तेमाल के जरिए भारतीयों को पूरी मदद दी। उन्होंने कहा कि शिकायत सुलझाने और फीडबैक के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाए। मुश्किल हालात में लोगों को निकालने के जरिए असरदार तरीके से जवाब दिया। यूक्रेन, इजरायल, अफगानिस्तान और सूडान इसके कुछ उदाहरण हैं। भारतीयों को ग्लोबल वर्कप्लेस तक पहुंचने और ग्लोबल वर्कफोर्स का हिस्सा बनने में मदद की। अब तक 21 मोबिलिटी पार्टनरशिप की हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय व्यवसाय को विदेश में मार्केट एक्सेस दिलाने और एक्सपोर्ट बढ़ाने में मदद की। विकास परियोजनाओं के जरिए भारतीय प्रोडक्ट्स और सर्विसेज को नए मार्केट में एंट्री दिलाने में मदद की। भारतीय विदेश मंत्री ने कहा, विदेश में रहने वाले भारतीय स्टूडेंट्स के लिए कल्याणकारी उपाय शुरू किए। भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार किया और अन्य देशों में हमारी विरासत और परंपराओं के प्रति सम्मान और समझ को बढ़ावा दिया। विदेश में रहने और जाने वाले भारतीयों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 44 दूतावास और कॉन्सुलेट खोले। भारतीय डिप्लोमेसी देश के लिए 24/7 काम करती है। आज भारतीय ज्यादा विश्वास और गर्व के साथ विदेश यात्रा करते हैं। सोमवार को विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी थी कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर का एक इंटरव्यू आने वाला है, जिसमें वह पीएम मोदी के नेतृत्व में विश्व कल्याण के 12 साल पर बात करेंगे।

समाचार सार

श्रम भवन के पास मजदूरों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

रांची : भवन निर्माण एवं अन्य सन्निर्माण कामगार यूनियन के बैनर तले सोमवार को डोरंडा स्थित श्रम भवन में सैकड़ों मजदूरों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया। मजदूरों ने विभागीय कार्यप्रणाली और श्रमिक हितों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए श्रम कार्यालय के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया तथा अधिकारियों को मांगपत्र सौंपा। प्रदर्शन कर रहे मजदूरों ने आरोप लगाया कि विभाग द्वारा मजदूरों का कार्ड नहीं बनाया जा रहा है, जिससे उन्हें रोजगार प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महंगाई लगातार बढ़ रही है, लेकिन मजदूरों को काम के एवज में पर्याप्त मजदूरी नहीं मिल रही है।

साथ ही नियमित रूप से काम भी उपलब्ध नहीं हो रहा है, जिससे उनके समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है।यूनियन के सदस्यों ने बताया कि विभाग द्वारा पंजीकृत मजदूरों को सुरक्षा किट एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों के लिए मिलने वाली राशि पिछले छह माह से लंबित है। इससे मजदूरों की सुरक्षा प्रभावित हो रही है और उन्हें कार्यस्थलों पर जोखिम का सामना करना पड़ रहा है। धरना में शामिल मजदूरों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं की गई और लंबित भुगतान जारी नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मजदूरों के हितों की लगातार अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यूनियन ने विभाग से लंबित राशि का अविलंब भुगतान करने, मजदूरों को नियमित रोजगार उपलब्ध कराने, सभी मजदूरों का विभागीय कार्ड बनाने तथा श्रमिक कल्याण योजनाओं का लाभ समय पर सुनिश्चित करने की मांग की।

पुंदाग में चोरों ने ताला तोड़कर चार लाख के जेवर चुराए

रांची : पुंदाग लाजपत नगर के रहने वाले रिंटू सिंह के घर का ताला तोड़ चोर 1.55 लाख नगदी समेत चार लाख रुपए के जेवरात चुराकर फरार हो गए। चोरों ने वारदात को उस समय अंजाम दिया, जब परिवार के लोग सिलीगुड़ी गए थे। इस संबंध में रिंटू सिंह ने पुंदाग ओपी में प्राथमिकी दर्ज करायी है। रिंटू ने पुलिस को बताया कि वह छह जून को सिलीगुड़ी के लिए रवाना हुए। सात जून की सुबह उन्हें पड़ोसी ने चोरी होने की सूचना दी। अलमीरा में रखे 1.55 लाख नगदी और सोना-चांदी के जेवरात गायब हैं।

चतरा नगर परिषद अध्यक्ष विवाद पर हाईकोर्ट सख्त

दो से अधिक बच्चों व नामांकन में तथ्य छिपाने के आरोप पर प्रधान सचिव से 6 सप्ताह में शपथपत्र के साथ मांगा जवाब

चतरा : चतरा नगर परिषद अध्यक्ष पद के निर्वाचित उम्मीदवार अताऊर रहमान द्वारा नामांकन के दौरान कथित रूप से गलत शपथ पत्र प्रस्तुत कर दो बच्चों की जानकारी देने तथा वास्तविक संख्या छिपाने के आरोपों को लेकर झारखंड उच्च न्यायालय ने गंभीर संज्ञान लिया है।याचिकाकर्ता राजेश कुमार का आरोप है कि झारखंड सरकार की वर्ष 2011 की गजट अधिसूचना के अनुसार दो से अधिक जीवित संतान वाले व्यक्ति नगरपालिका चुनाव लड़ने के पात्र नहीं हैं। इसके बावजूद अताऊर रहमान ने अपने नामांकन पत्र एवं शपथ पत्र में तथ्यों को छिपाते हुए गलत जानकारी प्रस्तुत की।

इस संबंध में राजेश कुमार ने 16 मार्च 2026 को नगर विकास सह आवास विभाग के प्रधान सचिव को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की थी। गजट प्रावधानों के अनुसार नगरपालिका चुनाव के बाद उत्पन्न विवादों के निष्पादन का अधिकार प्रधान सचिव को प्राप्त है। आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं होने तथा अधिवक्ता विनोद सिंह द्वारा भेजे गए लीगल नोटिस का भी जवाब नहीं मिलने के बाद झारखंड उच्च न्यायालय में ह.ढ.(उ) ठङ्ग. 3880/2026 दायर की गई।

याचिका में राजेश कुमार बनाम मुख्य सचिव, झारखंड सरकार, नगर विकास सह आवास विभाग के प्रधान सचिव, उपायुक्त चतरा एवं अताऊर रहमान को प्रतिवादी बनाया गया है।मामले की सुनवाई माननीय न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत में हुई, जहां याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विनोद सिंह ने पक्ष रखा। सुनवाई के उपरांत न्यायालय ने मामले को गंभीर मानते हुए नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव को निर्देश दिया कि वे छह सप्ताह के भीतर शपथपत्र के माध्यम से आरोपों पर अपना जवाब प्रस्तुत करें।न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई छह सप्ताह बाद निर्धारित की है। इस आदेश के बाद चतरा नगर परिषद अध्यक्ष पद से जुड़े विवाद ने नया कानूनी मोड़ ले लिया है और अब सभी की निगाहें विभागीय जवाब तथा अगली सुनवाई पर टिकी हुई हैं।

मिट्टी लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत, गांव में पसरा मातम

चतरा : सदर थाना क्षेत्र के लोवागड़ा गांव में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान मनीष कुमार पिता- विजय दांगी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मनीष कुमार अपने खेत में भराई कार्य के लिए मिट्टी से लदा ट्रैक्टर लेकर जा रहा था। इसी दौरान अचानक ट्रैक्टर का इंजन अनियंत्रित होकर आगे की ओर उठ गया और वह उसकी चपेट में आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई।घटना के बाद आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर जुट गए। परिजन और ग्रामीण आनन-फानन में मनीष को सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।युवक की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे गांव में शोक का माहौल व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि मनीष मेहनती और मिलनसार स्वभाव का युवक था, जिसकी अचानक मौत से गांव के लोग स्तब्ध हैं।घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इधर घटना की जानकारी मिलने पर चतरा विधायक जनार्दन पासवान मौके पर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। इस दौरान समाजसेवी उदय वर्मा, भवानी राय सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

श्रावणी मेला की तैयारियों का उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने लिया जायजा

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को बताया सर्वोच्च प्राथमिकता

संवाददाता

खूंटी : आगामी श्रावण माह में आयोजित होने वाले धार्मिक अनुष्ठानों एवं श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी सक्रियता तेज कर दी है। इसी क्रम में उपायुक्त मो० जावेद हुसैन एवं पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने मंगलवार को प्रसिद्ध बाबा आम्रेश्वर धाम मंदिर पहुंचकर मेला एवं मंदिर परिसर की तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने तथा सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों एवं मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने मंदिर परिसर का भ्रमण कर साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग स्थल, शौचालय, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था तथा भीड़ नियंत्रण से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रावण माह में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी की जाएं।

उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने कहा कि बाबा आम्रेश्वर धाम जिले की आस्था का प्रमुख केंद्र है और श्रावण माह में यहां हजारों श्रद्धालु दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया ताकि मेला का सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन सुनिश्चित हो सके।

वहीं पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने सुरक्षा व्यवस्था एवं भीड़ प्रबंधन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि मेले के दौरान पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को यातायात व्यवस्था सुचारू रखने तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यों ने प्रशासनिक अधिकारियों को मंदिर परिसर में उपलब्ध सुविधाओं एवं प्रस्तावित व्यवस्थाओं की जानकारी दी। साथ ही श्रावणी मेला के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए आवश्यक सहयोग का अनुरोध भी किया।

मंदिर परिसर पहुंचने पर मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक का अंगवस्त्र भेंट कर पारंपरिक स्वागत किया गया। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने बाबा आम्रेश्वर धाम मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। निरीक्षण उपरांत मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा उन्हें बाबा आम्रेश्वर धाम का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

इस अवसर पर खूँटी एवं तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (डीएसपी), प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी, मंदिर प्रबंधन समिति के पदाधिकारी तथा स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित थे।

तांबा गांव के पास 2 किलो 328 ग्राम अवैध अफीम के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

दो बाइक और तीन मोबाइल फोन भी पुलिस ने किया जब्त

संवाददाता

खूंटी : जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खूँटी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रनिया थाना क्षेत्र के तांबा गांव के समीप छापेमारी कर पुलिस ने 2 किलो 328 ग्राम अवैध अफीम के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है। बरामद अफीम की अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से तीन स्क्रीन टच मोबाइल फोन एवं दो मोटरसाइकिल भी जब्त की है। जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग को गुप्त सूचना मिली थी कि तांबा गांव के पास कुछ लोग अवैध अफीम की खरीद-बिक्री के लिए आने वाले हैं। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (तोरपा) विजय कुमार सिंह के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया।

छापामारी दल जब तांबा गांव के समीप पहुंचा तो वहां दो मोटरसाइकिल के साथ चार व्यक्ति खड़े दिखाई दिए। पुलिस वाहन को देखते ही सभी भागने लगे, लेकिन पुलिस टीम ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में वे भागने का कोई संतोषजनक कारण नहीं बता सके। इसके बाद कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए उनकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उनके पास से 2 किलो 328 ग्राम अवैध अफीम, तीन मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिल बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान 50 वर्षीय नाथ लोमगा , 31 वर्षीय बिरसा बरजो , 43 वर्षीय सुपाए कांडायबुरु तथा 29 वर्षीय गान्दु बरजो उर्फ संदीप बरजो के रूप में हुई है। सभी पश्चिम सिंहभूम जिले के सेरेंगदा थाना क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि वे पश्चिम सिंहभूम जिले में अवैध रूप से अफीम की खेती करते थे तथा तैयार अफीम को खूँटी और रांची जिले के व्यापारियों को बेचकर मुनाफा कमाते थे।

पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में नाथ लोमगा और सुपाए कांडायबुरु अफीम की खेती में संलिप्त थे, जबकि बिरसा बरजो और गान्दु बरजो उर्फ संदीप बरजो इसकी खरीद-बिक्री का कार्य करते थे। सभी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक मणी दीप, रामदेव यादव, सहायक अवर निरीक्षक मनोज कच्छप तथा एनडीपीएस थाना के सशस्त्र बल के जवान शामली थे।

टंडवा में ट्रांसपोर्टिंग रोड के समर्थन में उमड़ा रैयतों का सैलाब

झामुमो नेता बोले- विरोध करने वाले दलाल सुधर जाएं

प्रवीण सिंह

चतरा : जिले के टंडवा प्रखंड में एनटीपीसी केरेडारी कोल माइंस से वृन्दा मुख्य सड़क तक निमार्णाधीन कोयला ट्रांसपोर्टिंग रोड का विवाद गहरा गया है। दो दिन पूर्व हुए विरोध प्रदर्शन के जवाब में सोमवार को आधा दर्जन गांवों के रैयतों ने वृन्दा देवी मंडप के पास एक विशाल महाजुटान सह ग्रामसभा का आयोजन किया। इस महासभा में स्थानीय किसानों और पंचायत प्रतिनिधियों ने एक स्वर में सड़क निर्माण का पुरजोर समर्थन किया।ग्रामसभा की अध्यक्षता कबरा पंचायत के मुखिया सह झामुमो जिला अध्यक्ष नीलेश उर्फ सोनू सिन्हा ने की, जिसमें टंडवा के प्रभारी अंचलाधिकारी (सीओ) गौरव राय और अंचल कर्मचारी इंदर कुमार शामिल हुए। कढमदीरी, सिसय, उरदा, खधैया, वृन्दा और गोपदा गांव के प्रभावित किसानों ने कहा कि इस रोड के बनने से इलाके में रोजगार के नए दरवाजे खुलेंगे। सभा को संबोधित करते हुए झामुमो जिला अध्यक्ष नीलेश उर्फ सोनू सिन्हा विरोधियों पर जमकर बरसे। उन्होंने दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि सड़क का विरोध करने वाले दलाल वक्त रहते सुधर जाएं, वरना रैयत उन्हें खदेड़ देंगे। मौके पर मौजूद टंडवा सीओ गौरव राय ने साफ किया कि रैयती जमीन पर सड़क निर्माण के लिए किसान पूरी तरह स्वतंत्र हैं, बशर्ते सरकारी जमीन आने पर नियमानुसार प्रक्रिया अपनाई जाएगी। दरअसल, एनटीपीसी द्वारा 800 करोड़ की लागत से कोयला डिस्पैच करने की इस योजना का ठेका जेआरएल ट्रांसपोर्ट कंपनी के पास है। कंपनी ने साढ़े पांच किलोमीटर की सड़क के लिए 300 किसानों से 11 साल की लीज पर जमीन ली है। वहीं, नक्कास कंपनी भी इसी क्षेत्र में सक्रिय है। जमीन लीज और ठे-के के इसी कॉरपोरेट वर्चस्व के चलते क्षेत्र में भारी गुटबाजी और विरोध का दौर चल रहा है।

तजना मुक्तिधाम में चला सघन सफाई अभियान जनप्रतिनिधियों ने किया श्रमदान और पौधरोपण

संवाददाता

खूंटी : विश्व पर्यावरण सप्ताह के अवसर पर खूंटी नगर पंचायत द्वारा तजना मुक्तिधाम परिसर में विशेष स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टूटी एवं उपाध्यक्ष शशांक शेखर के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मियों ने श्रमदान कर मुक्तिधाम की साफ-सफाई की तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान के दौरान मुक्तिधाम परिसर में फैली झाड़ियों, कचरे, अंतिम संस्कार के बाद छोड़े गए सामानों एवं जली हुई लकड़ियों के ढेर को हटाया गया। जनप्रतिनिधियों ने स्वयं सफाई उपकरण उठाकर श्रमदान किया और परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाने में योगदान दिया।

इसके बाद परिसर में बेल, नीम समेत कई छायादार एवं उपयोगी प्रजातियों के पौधे लगाए गए। सभी ने पौधों की देखभाल और संरक्षण का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष रानी टूटी ने कहा कि मुक्तिधाम केवल एक स्थान नहीं, बल्कि हमारे पूर्वजों का अंतिम विश्राम स्थल है। इसकी स्वच्छता और गरिमा बनाए रखना समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। वार्ड पार्षद खालिद हुसैन ने कहा कि मुक्तिधाम और कब्रिस्तान सभी धर्मों में पवित्र स्थल माने जाते हैं, इसलिए इन्हें साफ-सुथरा रखना हम सभी का कर्तव्य है। वहीं पार्षद जूही प्रियंका टोपनो ने कहा कि लगाए गए पौधे भविष्य में विशाल वृक्ष बनकर लोगों को छाया प्रदान करेंगे तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक होंगे।

वार्ड पार्षद अनूप साहू ने बताया कि तजना मुक्तिधाम का उपयोग खूंटी के बड़ी आबादी द्वारा किया जाता है। समय-समय पर यहां सफाई अभियान चलाया जाता है, लेकिन इस बार नगर पंचायत के सहयोग से बड़े पैमाने पर सफाई और वृक्षारोपण किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में परिसर में छाया के लिए केवल एक बड़ा बरगद का पेड़ है, इसलिए अधिक पौधे लगाए गए हैं।

अभियान के दौरान जनप्रतिनिधियों ने मुक्तिधाम परिसर में बने इलेक्ट्रॉनिक शवदाह गृह का भी निरीक्षण किया। करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित इस भवन का अब तक आम लोगों को लाभ नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की तथा इसे शीघ्र चालू कराने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में नगर पंचायत पदाधिकारी दीप्ति देवप्रिया मिंज, शहरी विकास पदाधिकारी मोहनीश सलाम सहित वार्ड पार्षद अनूप साहू, खालिद हुसैन, कविता वर्मा, दिनेश कुमार, शिखा भगत, हेमंत कुमारी, अनिता टूटी, जूही प्रियंका टोपनो समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं नगर पंचायत कर्मी उपस्थित रहे। नगरवासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े ऐसे अभियान नियमित रूप से चलाए जाने चाहिए, जिससे सार्वजनिक स्थलों की स्थिति बेहतर हो और समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़े।

घर से काम के लिए निकला 56 वर्षीय व्यक्ति लापता

परिजनों ने थाने में की शिकायत खोजबीन की लगाई गुहार

12 दिन बाद भी नहीं मिला सुराग, छानबीन में जुटी पुलिस

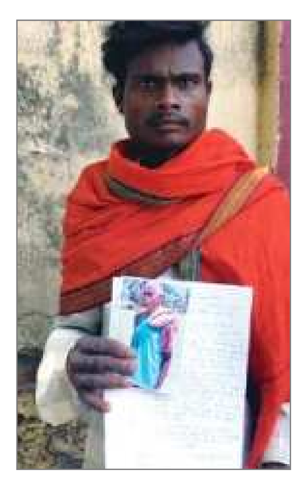

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के ढेबो गांव से एक 56 वर्षीय व्यक्ति रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया है। 28 मई दिन गुरुवार सुबह 11 बजे काम करने के लिए घर से निकले बिहारी भुइयां देर रात तक वापस नहीं लौटे, जिसके बाद परिजनों ने सोमवार को थाने में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। परिजनों के अनुसार, लापता ढेबो निवासी झम्मन भुइयां का 56 वर्षीय पुत्र बिहारी भुइयां थाना क्षेत्र के नागर इंडियन पेट्रोल पम्प में सफाईकर्मी का काम करता था। वह प्रतिदिन की तरह भी 28 मई दिन गुरुवार सुबह 11 बजे भी अपने घर से पेट्रोल पम्प में काम करने निकला। लेकिन काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिवार चिंतित हो गया और उन्होंने आसपास के क्षेत्रों में उनकी तलाश शुरू की। देर रात तक खोजबीन के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया। जिसके बाद दूसरा दिन उसका पुत्र सुरेश भारती पेट्रोल पम्प पहुंचा, और वहां मौजूद कर्मियों से जानकारी ली। पेट्रोल पंप कर्मियों ने बताया कि बिहारी भुइयां उस दिन काम पर पहुंचे ही नहीं थे। यह सुनने के बाद परिवार के लोगों के होश उड़ गए और उन्होंने कई जगहों पर खोजबीन शुरू कर दी।लगातार 11 दिनों तक तलाश करने के बावजूद जब बिहारी भुइयां का कोई सुराग नहीं मिला, तब थक-हारकर सोमवार को परिजन हंटरगंज थाना पहुंचे और लिखित आवेदन देकर गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आवेदन के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।हंटरगंज थाना पुलिस ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को बिहारी भुइयां के संबंध में कोई भी जानकारी मिले, तो इसकी सूचना तुरंत हंटरगंज थाना को दें, ताकि उन्हें जल्द से जल्द खोजा जा सके।

जीआरडीए ने डोरंडा पीएचसी को मुहैया कराया अत्याधुनिक एंबुलेंस

रांची : नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार के निर्देश पर ग्रेटर रांची डेवलपमेंट एजेंसी (जीआरडीए) ने जनसेवा और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ करने के लिए एक अत्याधुनिक एंबुलेंस राजकीय औषधालय डोरंडा (पीएचसी) को सीएसआर फंड के तहत सोमवार को उपलब्ध कराया। इस अवसर पर नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने एंबुलेंस की चाबी सदर अस्पताल के डॉक्टर ताबान रिजवी को उपलब्ध कराया। मंत्री ने एंबुलेस को हरी झंडी दिखाकर डोरंडा अस्पताल के लिए रवाना किया। मंत्री आवास के समक्ष जीआरडीए के महाप्रबंधक राकेश कुमार नंदक्योलियार ने संस्थान की ओर एंबुलेंस की चाबी उपलब्ध करायी। महाप्रबंधक ने बुके, शॉल और स्मृति चिन्ह देकर मंत्री कुमार को सम्मानित किया। वहीं डॉ रिजवी सहित अन्य लोगों ने भी मंत्री को स्मृति चिन्ह और बुके दिया।

सामाजिक क्षेत्र के पेशेवरों के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम में प्रवेश शुरू

रांची: अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय ने वर्ष 2027 के लिए ह्यनेतृत्व विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमाह्न कार्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। 11 माह का यह पार्ट-टाइम कार्यक्रम सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत मध्य और वरिष्ठ स्तर के पेशेवरों के लिए तैयार किया गया है, ताकि वे विकास संबंधी मुद्दों, संगठनात्मक संस्कृति और नेतृत्व कौशल की गहरी समझ विकसित कर सकें। कार्यक्रम के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 11 अक्तूबर 2026 निर्धारित की गई है और चयनित अभ्यर्थियों की कक्षाएं जनवरी 2027 के पहले सप्ताह से शुरू होंगी। यह पाठ्यक्रम ऑनलाइन और कैंपस आधारित शिक्षण के मिश्रित प्रारूप में संचालित होगा, जिससे प्रतिभागी अपनी नौकरी जारी रखते हुए अध्ययन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय की स्कूल ऑफ डेवलपमेंट की निदेशक अरिमा मिश्रा ने कहा कि यह कार्यक्रम पेशेवरों को अपने अनुभवों को विकास की व्यापक समझ से जोड़ने और प्रभावी नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर देता है।

मत्स्य निदेशालय के उप निदेशक संजय कुमार गुप्ता संयुक्त मत्स्य निदेशक के पद पर हुए प्रोन्नत

रांची : झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन सहकारिता विभाग के अधीनस्थ मत्स्य निदेशालय, रांची में पदस्थापित उप निदेशक (योजना, प्रसार एवं अनुश्रवण) संजय कुमार गुप्ता को संयुक्त मत्स्य निदेशक (योजना, प्रसार, जलाशय एवं अनुश्रवण) के पद पर प्रोन्नत किया गया है। इस संबंध में आठ जून, 2026 (सोमवार) को कृषि, पशुपालन व सहकारिता विभाग की ओर से राज्यपाल के आदेशानुसार सरकार के अवर सचिव आरके श्रीवास्तव द्वारा अधिसूचना जारी की गई। श्री गुप्ता ने नये पद पर प्रभार ग्रहण कर लिया है। इसके साथ ही मत्स्य निदेशालय में अब दो संयुक्त मत्स्य निदेशक कार्यरत रहेंगे। इससे विभागीय कार्य और अधिक गतिमान होगा। विदित हो कि मत्स्य निदेशालय के कार्यों को गति देने और सूबे के मत्स्य कृषकों का उत्साहवर्धन करने में श्री गुप्ता की उल्लेखनीय भूमिका रही है।

आरपीएफ ने नाबालिग बालिका को सुरक्षित संरक्षण प्रदान किया

रांची : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) रांची द्वारा चलाए जा रहे ह्यऑपरेशन नन्हे फरिश्तेह्न के तहत एक नाबालिग बालिका को सुरक्षित संरक्षण प्रदान करते हुए उसे चाइल्डलाइन रांची के सुपुर्द किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 07 जून को लगभग 19:30 बजे रांची रेलवे स्टेशन पर नियमित जांच एवं निगरानी के दौरान आरपीएफ पोस्ट रांची के सहायक उप निरीक्षक अरुण कुमार, महिला आरक्षी रेनू एवं महिला आरक्षी राखी कुमारी ने हटिया छोर स्थित फुट ओवर ब्रिज पर एक नाबालिग बालिका को संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए देखा। पूछताछ के दौरान बालिका ने अपना नाम अमिका कुमारी (लगभग 16 वर्ष) बताया तथा बताया कि वह बिना अपने परिजनों को सूचना दिए घर से निकल आई थी।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए आरपीएफ टीम ने तत्काल चाइल्डलाइन रांची को सूचित किया। सूचना मिलने पर चाइल्डलाइन के प्रतिनिधि आरपीएफ पोस्ट पहुंचे। आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद बालिका को रात लगभग 20:30 बजे सुरक्षित रूप से चाइल्डलाइन रांची के सुपुर्द कर दिया गया, ताकि उसकी समुचित देखभाल और आगे की वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

इस सराहनीय कार्य में सहायक उप निरीक्षक अरुण कुमार, महिला आरक्षी रेनू एवं महिला आरक्षी राखी कुमारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आरपीएफ द्वारा समय पर की गई कार्रवाई से एक नाबालिग बालिका की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकी, जो ऑपरेशन ह्यनन्हे फरिश्तेह्न की सफलता का एक और उदाहरण है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रवीण कुमार सिन्हा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

मामला श्री रामकृष्ण सेवा संघ द्वारा संचालित विवेकानंद विद्या मंदिर की राशि गबन का

रांची : श्री रामकृष्ण सेवा संघ द्वारा संचालित विवेकानंद विद्या मंदिर स्कूल की राशि गबन के मामले में चुटिया थाना में दर्ज प्राथमिकी संख्या 130/ 2022 के तहत अपर न्यायायुक्त-।।। एके तिवारी की अदालत ने चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रवीण कुमार सिन्हा द्वारा दायर की गई अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायालय ने उक्त मामले में सुनवाई करते हुए अपनी टिप्पणी में कहा कि नामजद आरोपियों के खिलाफ अदालत में पुख्ता सबूत के साथ पुलिस द्वारा केस डायरी प्रस्तुत की गई थी। जमानत याचिका खारिज करते हुए आदेश में अपर न्यायायुक्त ने कहा कि मामले में आपराधिक षड्यंत्र के साथ-साथ धोखाधड़ी, जालसाजी की गई है, जिससे संस्थान को 5 करोड़ 72 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

विदित हो कि सात जून 2022 को श्री रामकृष्ण सेवा संघ के तत्कालीन कोषाध्यक्ष तन्मय मुखर्जी द्वारा इस संबंध में चुटिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

इस मामले में चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रवीण कुमार सिन्हा सहित अभय कुमार मिश्रा, काशीनाथ मुखर्जी, मलय नंदी, आदित्य बनर्जी, ठेकेदार राजेश कुमार सिंह आरोपी हैं।

मालूम हो कि इस मामले में प्रवीण कुमार सिंह के अलावा अन्य आरोपियों की जमानत याचिका भी पूर्व में खारिज की जा चुकी है।

उलिहातू में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं पुण्यतिथि मनाई गई

केंद्रीय सरना संघर्ष समिति ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

रांची। केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के तत्वावधान में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं पुण्यतिथि उनके जन्मस्थल उलिहातू में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष और बलिदान को याद किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने स्वाभिमान, स्वतंत्रता और संस्कृति की रक्षा के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए बिरसा मुंडा द्वारा किया गया संघर्ष आज भी हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा के विचार और उनके संघर्ष की विरासत आने वाली पीढ़ियों को अपने अधिकारों और संस्कृति की रक्षा के लिए प्रेरित करती रहेगी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर बिनोद उरांव, संजय उरांव, सुशिला उरांव, सती तिर्की, अनिता उरांव, इंदू उरांव, संगीता गाड़ी, रीता खलखो, नुरी तिर्की, पिंकी उरांव सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन भगवान बिरसा मुंडा के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित कर किया गया।

धरती आबा की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि, गूंजे अमर रहे के नारे

रांची : धरती आबा बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर आज चुटिया प्रखंड कांग्रेस समिति द्वारा बिरसा चौक, हटिया में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान उपस्थित कांग्रेस कार्यकताओं ने ₹धरती आबा बिरसा मुंडा अमर रहें₹ के नारे लगाकर उन्हें याद किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने बिरसा मुंडा के संघर्ष, त्याग और आदिवासी समाज के उत्थान में उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनके आदर्श आज भी समाज को प्रेरणा देते हैं। उन्होंने लोगों से बिरसा मुंडा के विचारों को अपनाने और सामाजिक न्याय तथा समानता के लिए कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस उपाध्यक्ष अरुण चावला, प्रखंड अध्यक्ष प्रशांत गौरव, कोयलांचल स्टील कामगार यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष दीपेश पाठक सहित संजीव महतो, फातिमा खातून, विकास सिंह, महेश राय, बिरसा तिर्की, विवेक सिंह, किशोर राय, अजय महली, भरत कुमार, करण नायक, दीपक लोहरा और प्रदीप कुमार समेत बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम का समापन बिरसा मुंडा के आदर्शों पर चलने और उनके बताए मार्ग पर समाज के विकास के लिए कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

निपु सिंह ने बिरसा मुंडा के 126 वीं शहादत दिवस पर किया नमन

रांची : झारखंड अगेंस्ट करप्शन के केंद्रीय संगठन मंत्री सह रांची जिला के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी निपु सिंह ने बिरसा मुंडा के 126 वीं शहादत दिवस पर बिरसा चौक स्थित उनके प्रतिमा स्थल पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी और नमन किया ।

श्री सिंह ने कहा कि आदिवासियों को जागरूक करने वाले सबसे बड़े नेता बिरसा मुंडा ही थे और उन्होंने आदिवासियों को एकजुट कर अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह किया था और सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की भी घोषणा की है और झारखंड बिहार से अलग उन्हीं का जन्म के दिन 15 नवंबर को ही हुआ है और कहां की बिरसा मुंडा बहुत ही कलेजे के मजबूत इंसान थे उन्होंने लड़ाई में कभी पीछे नहीं हटे वह आदिवासीयों को एकजुट करने में सफल रहे और अंग्रेजों को भागाने में बहुत बड़ा योगदान दिए उनको लोग धरती आबा भी कहते हैं उन्होंने एक नारा दिया था एबुआ राज एते जाना, महारानी राज टुंडु जाना और उनको 3 फरवरी सन 1900 ई को चक्रधरपुर से अंग्रेजों ने गिरफ्तार कर लिया और 9 जून सन 1900 ई को 25 साल की उम्र में रांची जेल में उनकी मृत्यु हो गई मृत्यु का कारण हैजा बीमारी बताया गया मृत्यु के बाद उनके पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार कोकर रांची क्षेत्र के निकट किया गया वहां उनका समाधि स्थल भी है इस श्रद्धांजलि के मौके पर समाजसेवी मंजय दुबे, लेखक सह राष्ट्रीय सुरक्षा पार्टी के महासचिव मिथिलेश कुमार पांडे ने भी श्रद्धांजलि दी और नमन किया ।

राज्यस्तरीय सब जूनियर बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए रांची के 5 मुक्केबाजों का चयन

संवाददाता

रांची : 18वीं राज्यस्तरीय सब जूनियर बालक एवं बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए रांची जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। यह प्रतियोगिता 13 एवं 14 जून 2026 को आदित्यपुर, सरायकेला-खरसावां में आयोजित होगी।

रांची जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय सिन्हा के निदेर्शानुसार वाईएमसीए कांटाटोली, रांची में चयन शिविर का आयोजन किया गया। चयन शिविर के बाद रांची जिले से चार बालक और एक बालिका मुक्केबाज का चयन राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया।

चयनित खिलाड़ी इस प्रकार हैं:

बालक वर्ग में 30-33 किलोग्राम : अशद रजा, 46 किलोग्राम : अंश कुमार सिंह, 49 किलोग्राम : आर्यन उरांव, 55 किलोग्राम : आलोक सिंह।

बालिका वर्ग में 46 किलोग्राम : मानशी कुमारी, प्रतियोगिता के लिए टीम के कोच के रूप में राजेश कुमार सिंह तथा टीम मैनेजर के रूप में ब्लामदीना तिग्गा को नियुक्त किया गया है।

इस अवसर पर रांची जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी गुलाम जावेद, उपाध्यक्ष बिमल आनंद नाग, बीबी मोहंती (जेएसएसपीएस), कमल किशोर कच्छप, नौशाद खान, गुलाम गौस कुरैशी, क्लेवर कर्मकार, इबरार अंसारी, के. पॉल बाबू, राहुल सिंह, अधिवक्ता शुभ नारायण दत्ता सहित कई खेलप्रेमी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। रांची जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन ने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई है।

महाराजा अग्रसेन भवन में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का हुआ समापन

संवाददाता

रांची : अपर बाजार स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में हुआ। समापन दिवस पर कथा व्यास आचार्य पं. अश्विनी मिश्र ने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की अमर मित्रता का भावपूर्ण प्रसंग सुनाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कथा के दौरान आचार्य मिश्र ने सनातन धर्म, द्रौपदी के चीरहरण, छल-कपट, गृहस्थ जीवन, बेटियों के स्नेह और न्याय व्यवस्था जैसे विषयों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सच्ची मित्रता धन, पद या प्रतिष्ठा पर आधारित नहीं होती, बल्कि प्रेम, विश्वास, सम्मान और समर्पण इसकी वास्तविक नींव होते हैं। उन्होंने श्रीकृष्णझ्रसुदामा प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि विपरीत परिस्थितियों और गरीबी के बावजूद सुदामा ने कभी मित्रता का लाभ उठाने का प्रयास नहीं किया और अपने स्वाभिमान को बनाए रखा। वहीं द्वारकाधीश बनने के बाद भी भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बाल सखा को नहीं भुलाया और उन्हें गले लगाकर सम्मान दिया, जो सच्ची मित्रता का सर्वोत्तम उदाहरण है। कथा के दौरान ह्लसांवरिया है सेठ म्हारी राधा सेठानी है और ह्लकाली कमली वाला मेरा यार हैह्व जैसे भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे। पूरे पंडाल में ह्लराधे-राधेह्व के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। अपने प्रवचन में आचार्य मिश्र ने समाज में बढ़ती नफरत पर चिंता जताते हुए कहा कि प्रेम ही समाज की असली शक्ति है। उन्होंने कहा कि पहले समाज में ह्लडाकघर प्रेम के कारण चलता था, जबकि आज कचहरी नफरत के कारण बढ़ रही है।ह्व उन्होंने कहा कि प्रेम घटने से सामाजिक समरसता कमजोर हो रही है। उन्होंने कहा कि मंत्री, चिकित्सक और शिक्षक समाज निर्माण में सबसे अधिक पुण्य अर्जित करते हैं, इसलिए उन्हें अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करना चाहिए, तभी वास्तविक विकास संभव है। समापन अवसर पर हवन-पूजन का आयोजन किया गया। कथा का मूल पाठ आचार्य विष्णु शर्मा ने किया। संगीत प्रस्तुति में निहाल शर्मा, अमन झा, प्रताप कुमार और लव कुश शर्मा ने भक्ति रस से वातावरण को सराबोर किया।

नगर निगम ने सरकारी भूमि पर बने अवैध संरचनाएं को किया ध्वस्त

रांची : रांची नगर निगम द्वारा सरकारी भूमि एवं नालों पर किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को वार्ड संख्याझ्र06 अंतर्गत बांधगाड़ी क्षेत्र में विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान नगर निगम की इनफोर्समेंट टीम ने सरकारी भूमि एवं नालों के ऊपर अवैध रूप से निर्मित कुल 05 संरचनाओं को ध्वस्त कर हटा दिया। यह कार्रवाई नियमानुसार की गई, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त करना और जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना है।

नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान नालों के प्रवाह मार्ग में बाधा उत्पन्न कर रही अवैध संरचनाओं को हटाकर प्राकृतिक जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त किया गया, ताकि आगामी वर्षा ऋतु में जल-जमाव की समस्या से स्थानीय लोगों को राहत मिल सके।

नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि सरकारी भूमि, सार्वजनिक संपत्तियों एवं नालों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार्य नहीं है। ऐसे अतिक्रमण न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि शहर की जल निकासी व्यवस्था को भी प्रभावित करते हैं।

नगर निगम ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सरकारी भूमि एवं नालों पर अतिक्रमण न करें तथा शहर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं जल-जमाव मुक्त बनाए रखने में सहयोग करें। साथ ही चेतावनी दी गई है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

न्यू मधुकम में श्रीमद्भागवत कथा की तैयारियां तेज

रांची : न्यू मधुकम चुना भट्ठा, रोड नंबर-05 (गोपाल मंदिर के पीछे) स्थित मैदान में श्री कृष्ण सत्संग महिला समिति के तत्वावधान में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। समिति द्वारा आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि वृंदावन के मुख्य कथा वाचक कन्हैया पांडे श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का अमृतपान कराएंगे। कथा वाचक 25 जून को रांची आगमन होगा।

इस संबंध में आयोजित बैठक न्यू मधुकम हनुमान मंदिर के निकट संपन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता डौली वर्मा ने की तथा धन्यवाद ज्ञापन शिव किशोर शर्मा द्वारा किया गया। बैठक में समिति की कई सदस्याएं एवं स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिनमें डौली वर्मा, संध्या देवी, गुड़िया देवी, सुभद्रा देवी, ललिता देवी, रूबी देवी, निर्मला देवी, शिल्पी देवी, श्रेया गुप्ता, पूनम देवी, बेबी देवी, इंदु देवी, नीतू वर्मा, सोनी देवी, सिंधु वर्णवाल सहित कमलेश शर्मा, नवीन ठाकुर, शिव किशोर शर्मा, अमन वर्मा, शुभम वर्मा, दीपक कुमार, अभिषेक वर्मा, छोटू वर्मा, सुबोध शर्मा, चुल्लू वर्मा, अनूप गुप्ता एवं मनीष पाठक शामिल थे।

धुर्वा डैम में डूबने से बच्ची की मौत

रांची : हटिया स्थित धुर्वा डैम के फाटक के पास पैर फिसलने से एक 14 वर्षीय बच्ची की डूबने से मौत हो गई। मृत बच्ची की पहचान हटिया निवासी श्रेया गाड़ी के रूप में की गई है। इस घटना के बाद से बच्ची के परिवार में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घूमने के दौरान हुआ हादसा : मिली जानकारी के अनुसार, 14 वर्षीय श्रेया गाड़ी अपने परिवार के सदस्यों के साथ धुर्वा डैम घूमने के लिए आई थी। डैम के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने और घूमने के दौरान वह डैम के फाटक के निचले हिस्से की तरफ चली गई। इसी बीच अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चली गई। जब तक आसपास के लोग या परिजन उसे बचाने का प्रयास करते, तब तक वह पानी में डूब चुकी थी। घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम बिना वक्त गंवाए मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों और लोगों की मदद से बच्ची को पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए शव को अपने कब्जे में ले लिया और कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है।

कांके डैम संरक्षण को लेकर निगम की बड़ी कार्रवाई, 11 अवैध पिगरी ध्वस्त

रांची : कांके डैम के संरक्षण, स्वच्छता एवं प्रदूषण नियंत्रण को लेकर रांची नगर निगम ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए वार्ड संख्या-01 स्थित डैम के तटवर्ती क्षेत्र में संचालित 11 अवैध पिगरी (सूअर पालन केंद्र) को ध्वस्त कर दिया। निगम की इनफोर्समेंट टीम द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के दौरान अतिक्रमण कर संचालित इन अवैध इकाइयों को हटाया गया।

नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार अवैध पिगरी से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थों के कारण कांके डैम के जल स्रोत और आसपास के पर्यावरण के प्रदूषित होने की आशंका बनी हुई थी। डैम क्षेत्र को अतिक्रमण एवं प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई। निगम ने कहा कि कांके डैम रांची शहर की महत्वपूर्ण प्राकृतिक धरोहर एवं प्रमुख जल स्रोतों में से एक है। इसके संरक्षण को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डैम क्षेत्र में अतिक्रमण, अवैध निर्माण अथवा प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों के विरुद्ध आगे भी अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

रांची नगर निगम ने नागरिकों से जलाशयों एवं सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। निगम ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और जल स्रोतों की सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है तथा स्वच्छ, सुरक्षित एवं प्रदूषण मुक्त कांके डैम के निर्माण में जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

ग्रेट निकोबार पर राजनीति बनाम राष्ट्रनीति

भारत आज ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां आर्थिक शक्ति, समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा आत्मनिर्भरता भविष्य की वैश्विक प्रतिस्पर्धा के प्रमुख आधार बन चुके हैं। ऐसे समय में ग्रेट निकोबार परियोजना भारत के हित में महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर उभरी है। बावजूद इसके, कांग्रेस नेतृत्व इस परियोजना का लगातार विरोध कर रहा है, जिससे विकास और राजनीति के बीच एक नई बहस खड़ी हो गई है। करीब 90 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली ग्रेट निकोबार परियोजना में अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, आधुनिक टाउनशिप और ऊर्जा अवसंरचना का निर्माण प्रस्तावित है, जिसमें कि इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसका भू-राजनीतिक महत्व है। इस योजना की आलोचना करनेवालों को यह भी ध्यान रखना चाहए कि ग्रेट निकोबार द्वीप मलक्का जलडमरूमध्य के बेहद निकट स्थित है, जहां से विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है। वर्तमान में भारत को अपने अधिकांश कंटेनर ट्रांसशिपमेंट के लिए सिंगापुर, कोलंबो और अन्य विदेशी बंदरगाहों पर निर्भर रहना पड़ता है। यह परियोजना भारत को इस निर्भरता से बाहर निकालने और हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत करने का अवसर प्रदान कर सकती है।

राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और जयराम रमेश लगातार यह आरोप लगा रहे हैं कि परियोजना पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएगी और कुछ बड़े कारोबारी हितों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से बनाई गई है। राहुल गांधी ने इसे ₹ग्रीन बनाम ग्रीड₹ की लड़ाई के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की है, किंतु इन आरोपों के बीच यह प्रश्न भी उठता है कि यदि परियोजना का उद्देश्य सिर्फ निजी लाभ होता, तो इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा, समुद्री व्यापार, बंदरगाह विकास, हवाई संपर्क और ऊर्जा अवसंरचना जैसे व्यापक आयाम क्यों शामिल किए जाते?

यह सच है कि आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है, पर क्या इस का अर्थ यह माना जाए कि आलोचना तथ्यों के आधार पर न होकर सिर्फ कल्पना या जो मन में आ गया अथवा सत्ता पक्ष पर आरोप ही लगाना है, इसलिए कुछ भी बोल दिया जाएगा? आरोप लगा दो, बाद में सामने वाला अपनी सफाई देता रहे! वह भी आरोप सिर्फ राजनीतिक धारणा पर केंद्रित होकर लगा दिए जाएं, यह कहां तक सही है? कांग्रेस का कहना है कि परियोजना से बड़े पैमाने पर वन क्षेत्र प्रभावित होगा और जैव विविधता को नुकसान पहुंचेगा। यह चिंता निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। किसी भी विकास परियोजना में पर्यावरणीय प्रभावों का गंभीर मूल्यांकन आवश्यक होता है। यहां कांग्रेस स्वयं यह भूल रही है या देखना ही नहीं चाहती कि इस परियोजना से जुड़ा तथ्य यह है कि इसे भी विस्तृत पर्यावरण प्रभाव आकलन (एक्अ) प्रक्रिया से गुजरना पड़ा है। विभिन्न विशेषज्ञ संस्थानों द्वारा अध्ययन किए गए हैं और अनेक पर्यावरणीय शर्तों के साथ मंजूरी दी गई है। सरकार का दावा है कि सीमित क्षेत्र का उपयोग होगा, क्षतिपूरक वनीकरण किया जाएगा और संवेदनशील क्षेत्रों को संरक्षित रखा जाएगा। सरकार तो केंद्र में पहले कांग्रेस की भी रही है, उसने भी कई परियोजनाओं पर काम किया, आज के तर्कों के आधार पर तो कांग्रेस के लिए फिर यही कहा जाएगा कि उसे भी वह सब कुछ नहीं करना चाहिए था, जिसे वह कभी भारत के विकास के लिए आवश्यक मानती रही है, इसलिए वास्तविक बहस का विषय यह होना चाहिए कि इन शर्तों का कठोरता से पालन कैसे सुनिश्चित किया जाए, न कि परियोजना को रोक दिया जाए। कांग्रेस का एक प्रमुख तर्क शोंपेन और निकोबारी जनजातियों के अधिकारों को लेकर है। निश्चित रूप से आदिवासी समुदायों की संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली की रक्षा राष्ट्रीय दायित्व है, किंतु आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार किसी भी जनजातीय समुदाय के व्यापक विस्थापन का प्रस्ताव नहीं है। निगरानी तंत्र, जनजातीय कल्याण उपाय और संरक्षित क्षेत्रों की व्यवस्था भी की गई है। यदि कहीं कमियां हैं, तो उन्हें दूर करने की आवश्यकता है। लेकिन पूरी परियोजना को जनजातीय हितों के खिलाफ बताना वास्तविक मुद्दों की गंभीरता को कमजोर कर सकता है। कांग्रेस यह समझे कि हाल ही में अंडमान-निकोबार क्षेत्र में प्राकृतिक गैस के बड़े भंडार मिलने की खबर ने इस पूरे क्षेत्र के महत्व को और बढ़ा दिया है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने जानकारी भी साझा की है कि ऑयल इंडिया लिमिटेड को अंडमान अपतटीय बेसिन में श्री विजय पुरम-3 क्षेत्र में प्राकृतिक गैस की महत्वपूर्ण उपस्थिति मिली है। यह खोज निश्चित ही ऊर्जा संसाधन के रूप में आज भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। इससे पहले भी इसी क्षेत्र में गैस भंडार मिलने की पुष्टि हो चुकी है। ऐसे में पूरा अंडमान बेसिन भविष्य में भारत के लिए ऊर्जा क्रांति का केंद्र बन सकता है। नई खोजों से यह सुनिश्चित है कि यह ग्रेट निकोबार परियोजना बंदरगाह और हवाई अड्डे तक सीमित नहीं रह जाती, यह संभावित ऊर्जा हब के रूप में भी उभरती है। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास और ऊर्जा रणनीति के बीच एक मजबूत संबंध स्थापित होता है। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने पिछले एक दशक में भारत को समुद्री शक्ति बनाने पर विशेष जोर दिया है। 'सागर' नीति, इंडो-पैसिफिक रणनीति और अब 'समुद्र मंथन मिशन' इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा हैं। भारत ऐसे समय में यह कदम उठा रहा है जब चीन हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी लगातार बढ़ा रहा है और पड़ोसी देश अपने समुद्री ढांचे का विस्तार कर रहे हैं। ऐसे माहौल में भारत के लिए निष्क्रिय बने रहना रणनीतिक दृष्टि से नुकसानदेह हो सकता है। ग्रेट निकोबार परियोजना भारत को समुद्री व्यापार, रक्षा तैयारी और ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में नई ताकत देने की क्षमता रखती है। लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि बेहतर विकल्प और रचनात्मक सुझाव देना भी होता है। पर्यावरणीय मंजूरियों, पारदर्शिता और स्थानीय समुदायों के हितों पर सवाल उठाना आवश्यक है, लेकिन जब लगभग हर बड़ी राष्ट्रीय परियोजना विरोध का विषय बन जाए, तब जनता के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि उद्देश्य सुधार है या अवरोध! वस्तुतः कांग्रेस को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि यदि ग्रेट निकोबार जैसी परियोजनाओं का विरोध किया जाता है, तो भारत अपनी समुद्री, व्यापारिक और ऊर्जा क्षमताओं का विस्तार किस वैकल्पिक मॉडल के माध्यम से करेगा। अतः यहां कांग्रेस समेत जो इस योजना का विरोध कर रहे हैं, उन सभी के लिए यही कहना होगा कि ह्लग्रेट निकोबार परियोजनाह्व पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, परन्तु राष्ट्रीय हितों से जुड़े मुद्दों पर संतुलित दृष्टिकोण भी उतना ही आवश्यक है। पर्यावरण, जैव विविधता और जनजातीय अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए विकास की राह पर आगे बढ़ना ही सर्वोत्तम विकल्प हो सकता है। प्राकृतिक गैस की हालिया खोज ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि अंडमान-निकोबार केवल एक द्वीप समूह नहीं, बल्कि भारत की सामरिक, आर्थिक और ऊर्जा शक्ति का भविष्य बन सकता है। ऐसे में राजनीतिक दलों को विरोध और समर्थन की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता देनी होगी। क्योंकि अंततः यह बहस किसी सरकार या विपक्ष की नहीं होकर भारत के भविष्य की है, जिसमें हम सभी को मिलकर अपने देश को हर तरीके से और हर क्षेत्र में शक्तिशाली बनाना है।

भारत के लिए भारतीय जीवन शैली

पर्यावरण का असंतुलन विश्व विनाश की आहट है। पृथ्वी अशांत है, भूस्खलन और भूकम्प है। वायु अशांत है, आंधी और तूफान है। जल अशांत है, बाढ़, अतिवृष्टि। अनावृष्टि के कोप हैं। वन उपवन अशांत हैं। अपनी प्राण रक्षा करें तो कैसे करें। सभी जीव अशांत हैं। पक्षी कहां रैन बसेरा बनाएं? यजुर्वेद (यजु 36.17) के कवि ऋषि ने सहस्त्रों वर्ष पहले अभिलाषा की थी ह्लअंतरिक्ष शांत हो। पृथ्वी शांत हो।

हृदयनारायण दीक्षित

पृथ्वी व्यथित है। पृथ्वी की व्यथा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तमाम प्रयास हुए। परसों अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस का आयोजन हुआ। पृथ्वी के अंगभूत जल, वायु, वनस्पति और सभी प्राणी आधुनिक जीवनशैली के हमले के शिकार हैं। पृथ्वी असाधारण संरचना है। ह्लऋग्वेद के अनुसार वह पर्वतों का भार वहन करती है। वन वृक्षों का आधार है। वही वर्षा करती है। वह बड़ी और दृढ़ है। प्रकाशवान है। अमेरिकी विद्वान ब्लूमफील्ड ने अथर्ववेद का अनुवाद किया और पृथ्वी सूक्त की प्रशंसा की ह्लपृथ्वी ऊंची है, ढलान और मैदान भी हैं। यह वनस्पतियों का आधार है और बहुविधि कृपालु है ह्व पृथ्वी सूक्त के कवि अथर्वा हैं। अथर्वा कहते हैं ह्लपृथ्वी का गुण गंध है। यह गंध सबमें है, वनस्पतियों में है। यह पृथ्वी संसार की धारक व संरक्षक है। वह पर्जन्य की पत्नी है। यह विश्वम्भरा है। पृथ्वी पर जन्मे सभी प्राणी दीघार्यु रहें। हम माता पृथ्वी को कष्ट न दें। यह माता है ह्व

पृथ्वी, जल, वनस्पतियों, सभी जीव पर्यावरण चक्र के घटक हैं और जीवन के संरक्षक भी। इनमें वायु महत्वपूर्ण हैं। ऋग्वेद का ऋषि (ऋ0 1.90.6) कवि वायु को ही प्रत्यक्ष ब्रह्म या ईश्वर बताता है ह्लत्वमेव प्रत्यक्ष ब्रह्म असि ह्व वायु प्राण है। वायु से आयु है। विश्व पर्यावरण के सूत्र भारत की ही धरती पर खोजे गए थे। शुद्ध पर्यावरण ही जीवन का आधार है। भारत के जनगणमन की प्राचीन संवेदनशीलता के खो जाने के कारण आज का भारत भूमण्डलीय ताप के खतरे में संवेदनशील है। पुरातन के गर्भ से युगानुकूल अधुनातन का विवेक चाहिए। विकास की भारतीय परिभाषा के सूत्र भी इसी में हैं।

पर्यावरण का असंतुलन विश्व विनाश की आहट है। पृथ्वी अशांत है, भूस्खलन और भूकम्प है। वायु अशांत है, आंधी और तूफान है। जल अशांत है, बाढ़, अतिवृष्टि। अनावृष्टि के कोप हैं। वन उपवन अशांत हैं। अपनी प्राण रक्षा करें तो कैसे करें। सभी जीव अशांत हैं। पक्षी कहां रैन बसेरा बनाएं? यजुर्वेद (यजु 36.17) के कवि ऋषि ने सहस्त्रों वर्ष पहले अभिलाषा की थी ह्लअंतरिक्ष शांत हो। पृथ्वी शांत हो। वायु और जल शांत हों। वनस्पतियां औषधियां शांत हों। सर्वत्र सबकुछ शांत प्रशांत हों ह्व यह ऋषि कवि संभवतः भविष्य का ताप उत्ताप देख रहा था। उसने शांतिपाठ के माध्यम से भरतजनों का मार्ग दर्शन किया था। विश्वबैंक आदि संस्थाओं के आकलन भी ऐसे ही आते हैं लेकिन दोनों में आधारभूत अंतर है। ऋषि के सामने जीडीपी गिरावट की समस्या नहीं थी। वह संपूर्ण विश्व का आनंद अभ्युदय ही देख रहा था। मूलभूत प्रश्न है कि आखिरकार क्या वन उपवन उजाड़ कर, कंक्रीट के महलों से प्राणवायु, रस या गंध का आनंद ले सकते हैं? ऐसे टिकाऊ विकास में हम टिकाऊ नहीं हैं। हमारा जीवन क्षणभंगुर और विकास टिकाऊ? दुनिया विकास के नाम पर ही नष्ट होने के कगार पर है। विकास की परिभाषा क्या है? क्या हम प्राणलेवा विषभरी वायु में मर जाने के बदले विकास चाहते हैं? क्या हम विकास के नाम पर औद्योगिक कचरे के आर्सेनिक, लेड आदि रसायनों से भरे पानी को पीने के लिए विवश है?

साल 2005 में संयुक्त राष्ट्र का ह्लसहस्त्राब्दी पर्यावरण आकलन- मिलेनियम इको सिस्टम ऐसेसमेन्टह्व आया था। इसके अनुसार पृथ्वी के प्राकृतिक घटक अव्यवस्थित हो गए हैं। दुनिया की प्रमुख नदियों में पानी की मात्रा घट रही है। रिपोर्ट में चीन की येलो, अफ्रीका की नील और उत्तरी अमेरिका की कोलराडो नदियों में पानी घटने का उल्लेख था। गंगा-यमुना आदि नदियां जलहीन हो रही हैं। पक्षियों की अनेक प्रजातियों नष्ट हो चुकी हैं। जैव विविधता जलवायु का आधार है। अनेक जीव प्रजाति नष्ट हो चुके हैं। इस रिपोर्ट के पहले 2000 ई0 में पेरिस में ह्यअर्थचार्टर कमीशनह्व ने पृथ्वी और पर्यावरण संरक्षण के 22 सूत्र निकाले थे लेकिन परिणाम शून्य रहा। पृथ्वी की ताप बढ़त को अधिकतम 2 डिग्री सेल्सियस तक रोकने पर भी सहमति बनी। बीते 150 वर्ष में 0.80 सेल्सियस की वृद्धि पहले हो चुकी है। वाहन बढ़े हैं। खतरनाक गैसे बढ़ी हैं। वन क्षेत्र घटा है। साल 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने टिकाऊ विकास के 17 सूत्र लक्ष्य तय किये थे। पर्यावरण भी इनमें महत्वपूर्ण सूत्र है।

बदलते भूमण्डलीय ताप ने दक्षिण एशिया को कुप्रभावित किया है। भारत इसी क्षेत्र का प्रमुख हिस्सा है। विश्वबैंक की रिपोर्ट आई है। ह्लदक्षिण एशियाई हाट स्पाटः तापमान के प्रभाव और जीवर स्तर का परिवर्तनह्व शीर्षक की रिपोर्ट के अनुसार ह्लजलवायु परिवर्तन से 2050 तक भारत की जीडीपी को 2.8 प्रतिशत की क्षति हो सकती है ह्व रिपोर्ट का मन्तव्य साफ है। बढ़ते तापमान से ऋतु चक्र अव्यवस्थित होगा। कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा होगा। सूखा, बाढ़ और तूफान बढ़ सकते हैं। कृषि को नुकसान होगा। मानव जीवन अव्यवस्थित होगा। एनएसबीसी बैंक ने भी दक्षिण एिशया में भारत को सबसे ज्यादा नुकसान वाला क्षेत्र बताया था। बांग्लादेश व पाकिस्तान को कम क्षति वाले क्षेत्र बताए गए थे। रिपोर्ट में उत्तरी, उत्तर पश्चिम के क्षेत्र जलवायु परिवर्तन के प्रति सर्वाधिक संवेदनशील बताए गए थे। भारत जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों की गिरफ्त में है, बावजूद इसके हम भारत के लोग अपनी जीवनशैली में बदलाव को तैयार नहीं हैं। हम परंपरागत प्राकृतिक स्वाभाविक जीवनशैली से दूर हैं। वैदिक भारत के लोगों की जीवनशैली पर्यावरण प्रेमी थी। तब यही भारत जलवायु और पर्यावरण संरक्षण का अति संवेदनशील भूखण्ड था। धरती से लेकर आकाश तक पर्यावरण की शुद्धता भारत की बेचैनी थी। विश्व इतिहास में पृथ्वी और जल को माता बताने की घोषणा ऋग्वेद के पूर्वजों ने की। उन्होंने पृथ्वी को माता और आकाश को पिता कहा। अथर्ववेद के कवि ऋषि ने ह्यमात भूमिः पुत्रो अहम् पृथिव्याह्व की घोषणा की थी। ऋग्वैदिक समाज ने वर्षा के इन्द्र, वरूण आदि कई देवता थे। लेकिन पर्जन्य नाम के वर्षा देव निराले हैं। वे प्रकृति की अनेक शक्तियों से भरे-पूरे हैं। समूचे जल प्रपंच के देव है पर्जन्य। ऋग्वेद (1.164) बताते हैं ह्लसत्कर्म से समुद्र का जल ऊपर जाता है। वाणी जल को कंपन देती है। पर्जन्य वर्षा लाते हैं। भूमि प्रसन्न होती है ह्व यहां वर्षा पर्जन्य की कृपा है। आकाश पिता हैं। उनका रस पर्जन्य है। पर्जन्य वस्तुतः ईकोलाजिकल साईकिल-पर्यावरण चक्र हैं। तभी तो वे मंत्रों स्तुतियों से ही प्रसन्न नहीं होते। वे पृथ्वी, जल, वायु नदी, वनस्पति और कीट पतिंग सहित सभी प्राणियों के संरक्षण से ही प्रसन्न होते हैं। पर्यावरण के सभी घटकों का संरक्षण ऋग्वैदिक जीवन का सीधा सूत्र है। हम संस्कृति और परम्परा को पिछड़ा बताते हैं, आयातित जीवनशैली को आधुनिक कहते हैं। अपनी प्राचीनता के भीतर से आधुनिकता का विकास नहीं करते।

सनातन संस्कृति के गौरव की पुनर्स्थापना के 12 वर्ष

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) ने चंद्रयान-3 के जरिये चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरकर पूरी दुनिया को अचंभित कर दिया। अंतरिक्ष विज्ञान के सूरमा माने जाने वाले अमेरिका और रूस जैसे देश भी आज तक इस दिशा में सफलता हासिल नहीं कर सके हैं। इससे पहले इसरो ने अपने प्रथम प्रयास में ही मंगल ग्रह की कक्षा में सफलतापूर्वक प्रवेश करके अमेरिका और रूस जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया था।

विकास सक्सेना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देश की बागडोर संभाले 12 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस कालखण्ड में देश की आर्थिक, राजनैतिक, कूटनीतिक, सामाजिक, तकनीकी, सामरिक, अंतरिक्ष विज्ञान, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक क्षमताओं का जो स्वरूप देखने को मिला है उसने देशवासियों में आत्मविश्वास और आत्मगौरव की भावना को संचार किया है। अबतक के अपने कार्यकाल में मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था को गंभीर चुनौतियों का सामना करने वाली ह्यफ्रेजाइल फाइवह्व अर्थव्यवस्थाओं में से निकाल कर दुनिया की सबसे तेजी गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना दिया। आज भारत तेजी से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और फिर ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारतीय सेनाओं ने अपने साहस, पराक्रम और रणनीतिक तथा तकनीकी कुशलता के दम पर हथियारों की सटीकता और उन्नत रक्षा प्रणाली का पूरे विश्व में लोहा मनवाया है। इसी का नतीजा है कि तमाम देश भारत में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने को उत्सुक हैं।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) ने चंद्रयान-3 के जरिये चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरकर पूरी दुनिया को अचंभित कर दिया। अंतरिक्ष विज्ञान के सूरमा माने जाने वाले अमेरिका और रूस जैसे देश भी आज तक इस दिशा में सफलता हासिल नहीं कर सके हैं। इससे पहले इसरो ने अपने प्रथम प्रयास में ही मंगल ग्रह की कक्षा में सफलतापूर्वक प्रवेश करके अमेरिका और रूस जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया था। इन तमाम उपलब्धियों के बीच मोदी सरकार ने बीते 12 वर्षों में जो सबसे बड़ा काम किया, वो है भारतीय जनमानस में आत्मविश्वास, आत्मगौरव और स्वामिमान की भावना का संचार। मोदी सरकार के सतत प्रयासों से भारतीय जनमानस में गुलामी के बारह सौ सालों में विकसित हुए हीनता की ग्रन्थी टूटी है और भारतीय मेधा नई ऊर्जा के साथ प्रत्येक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है।

आठवीं शताब्दी के मध्य में भारत में विदेशी आक्रांताओं ने हमले शुरू किए। इन आक्रांताओं का लक्ष्य सिर्फ भारत की अपार धन संपदा को लूटना भर नहीं था बल्कि अपने मत मजहब को स्थापित करके ह्यगजवा ए हिन्दह्व की संकल्पना को साकार रूप देना था। सोलहवीं शताब्दी में व्यापार करने आई ईस्ट इण्डिया कम्पनी का भी उद्देश्य सिर्फ लाभ अर्जित करने तक सीमित नहीं रहा। उसके अधिकारी भी सुनियोजित तरीके से यहां ईसाइयत के विस्तार में जुट गए। लेकिन इस्लाम और ईसाइयत के व्यापक प्रसार में सबसे बड़ा रोड़ा दुनिया की प्राचीनतम सनातन संस्कृति की भारतीय जनमानस में मन मस्तिष्क और जीवनशैली में रची बसी गहरी जड़ें थीं। इनको नष्ट भ्रष्ट करने के लिए गौरी, गजनी, खिलजी और मुगल आक्रांताओं ने यहां के मंदिरों को तोड़ा ताकि यहां के उत्कृष्ट स्थापत्य कला को नष्ट करने के साथ ही भारतीय सांस्कृतिक आध्यात्मिक शक्ति पर आघात किया जा सके। सनातन धर्मावलम्बियों में हीन भावना भरने के लिए तोड़े गए मंदिरों के अवशेषों पर इस प्रकार मस्जिदों का निर्माण किया गया जिससे मंदिरों के चिन्ह भी स्पष्ट तौर पर दिखते रहें। हजारों साल में संग्रहित भारतीय ज्ञान परंपरा के साहित्य को जलाया गया ताकि सनातन संस्कृति के सतत प्रसार को बाधित किया जा सके। अपनी समृद्धि के कारण सोने की चिड़िया कहे जाने वाले भारत में व्यापार करने आई ईस्ट इण्डिया कम्पनी का प्रभाव बढ़ने से पहले जो आक्रांता भारत आए उन्होंने ताकत और तलवार के दम पर इस्लाम के प्रसार का भरसक प्रयास किया। तमाम अत्याचार के बावजूद ये इस्लामिक आक्रांता सनातन संस्कृति, धर्म, भाषा, शिक्षा, चिकित्सा पद्धति और आध्यात्म को लेकर सनातन धर्मावलम्बियों के विश्वास और आत्मगौरव के भाव को डिगा नहीं सके। लेकिन ईस्ट इण्डिया कंपनी की जड़ें जैसे ही मजबूत हुईं, उसकी समझ में आ गया कि अगर भारत में लम्बे समय तक आर्थिक लाभ कमाने के साथ ईसाइयत को स्थापित करना है तो सबसे पहले सनातन धर्मावलम्बियों में हीनता की ग्रंथी विकसित करनी होगी। इसके लिए सनातन संस्कृति से जुड़ी ज्ञान परम्परा, साहित्य, चिकित्सा, आध्यात्म, पर्वों, उत्सवों और सामाजिक परंपराओं को हेय बताते हुए भारतीय लोगों में अपराधबोध और आत्मग्लानि की भावना विकसित करने के सुनियोजित प्रयास किए गए। सनातन साहित्य में मिलावट करके उन्हें षड्यंत्रपूर्वक दूषित किया गया। यहां की चिकित्सा पद्धति को निष्प्रभावी बताने का प्रयास किया गया। विदेशी आक्रांताओं के प्रभाव और देशकाल परिस्थितियों के कारण कुछ क्षेत्रों में विकसित हुई कुरीतियों को समाज सुधार के नाम पर अपने पिट्ठुओं से विरोध कराकर इनको इस प्रकार प्रचारित किया जैसे ये संपूर्ण सनातन धर्म की स्थापित प्रथा और अनिवार्य परंपराएं हैं। यहां तक कि हमारे गिल्ली-डंडा, कंचे, पतंगबाजी, बग्गा-बग्घी जैसे खेलों को बेवजह हेय दिखाने के सुनियोजित प्रयास किए गए। ईसाई मिशनरियों और ब्रिटिश सरकार के सतत प्रयास से देश में एक बड़ा वर्ग विकसित हो गया जो सनातन धर्म और संस्कृति को हेय दृष्टि से देखता था। क्रांतिकारियों को बलिदान और स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष के परिणामस्वरूप 1947 में जब देश को अंग्रेजों की सत्ता से आजादी मिली तो उसके साथ धर्म के आधार पर पुण्य मातृभूमि का विभाजन भी स्वीकार करना पड़ा। दुर्भाग्य से तत्कालीन नेतृत्व की भारतीय सनातन संस्कृति के प्रति संवेदनहीनता के चलते माता 51 शक्तिपीठों में से एक हिंगलाज माता मंदिर पाकिस्तान और सात शक्तिपीठ जेशोश्वरी माता मंदिर, सुगंधा माता मंदिर, अपर्णा माता मंदिर, जयंती माता मंदिर, महाशक्ति माता मंदिर, चट्टल भवानी माता मंदिर और त्रिस्रोता माता मंदिर बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) में चले गए। इसके अलावा ढाकेश्वरी माता का मंदिर और सिखों का प्रमुख तीर्थ करतारपुर साहिब गुरूद्वारा पाकिस्तान को दे दिए गए लेकिन भारतीय नेतृत्व की ओर से इसे लेने के कोई सार्थक प्रयास नहीं किए गए। दुर्भाग्य से स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जब हमारी सेना के पराक्रम से नया बांग्लादेश बना तब भी न तो करतापुर साहिब को वापस लेने के प्रयास हुए न ही बांग्लादेश स्थित मंदिरों को वापस हासिल करने के कोशिश की गई। लेकिन वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने के बाद हालात तेजी से बदले हैं। बीते 12 वर्षों में 500 साल के लम्बे संघर्ष के बाद अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ है। काशी विश्वनाथ धाम और उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के भव्य विस्तार के साथ महर्षि विश्वामित्र द्वारा पावागढ़ में स्थापित काली मां के मंदिर से 500 वर्ष बाद दरगाह को हटाकर शिखर ध्वज फहराना मोदी सरकार में ही संभव हो सका है। हाल ही में भोजशाला को भी न्यायालय ने वाग्देवी का मंदिर मानते हुए हिन्दुओं के पक्ष में निर्णय दिया है। भारत से चोरी हुई 642 प्राचीन वस्तुएं जिनमें अधिकांश देवी देवताओं की मूर्तियां हैं, कूटनीतिक प्रयासों से पिछले 12 वर्षों में वापस आई हैं जो किसी भी देश के लिए रिकार्ड है।

इसके अलावा सरकार के सतत प्रयास से आयुर्वेद और योग को अन्तरराष्ट्रीय पहचान मिली है। दुनियाभर में हर साल 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाने लगा है। वर्ष 2024 में तकरीबन 150 देशों ने आयुर्वेद दिवस मनाकर भारतीय चिकित्सा पद्धति के महत्व को रेखांकित किया। सरकार के प्रयास से इस समय भारत में 43 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं जबकि 62 स्थल अस्थाई सूची में शामिल किए गए हैं। बौद्ध सर्किट और करतारपुर साहिब कॉरिडोर भी सरकार के इसी दिशा में किए गए प्रयासों की ओर इशारा करते हैं। प्रयागराज में कुम्भ मेले के भव्य आयोजन ने भी सनातन संस्कृति की वैश्विक पहचान को पुनर्स्थापित करने में विशेष योगदान दिया।

संजीवनी बूटी और आस्था की किंवदंतियां

के हिमालय केवल पर्वतों का समूह नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और धार्मिक आस्थाओं का जीवंत केंद्र है। इसकी दुर्गम घाटियों, ऊंचे शिखर और हिमाच्छादित पर्वतों के बीच अनेक ऐसे दिव्य स्थल हैं, जिनका उल्लेख पौराणिक कथाओं और लोक गाथाओं के साथ जनश्रुति में मिलता है।

उत्तराखंड के चमोली जनपद स्थित संजीवनी शिखर और द्रोणागिरी गांव ऐसे दो धार्मिक स्थल हैं। जो रामायणकालीन घटनाओं, धार्मिक मान्यताओं और स्थानीय लोक विश्वासों से जुड़े हुए हैं।

द्रोणगिरी पर्वत से संजीवनी बूटी को ले जाने के बाद इस पर्वत का एक हिस्सा वनस्पतिविहीन हो गया। इस कारण यहां के निवासी हनुमान की पूजा नहीं करते हैं। ये हनुमान के बजाय पर्वत को अपना आराध्य मानते हैं। वहीं, किसी भी विपत्ति में ग्रामीण पर्वत देवता का स्मरण करते हैं।

हिमालय केवल पर्वतों का समूह नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और धार्मिक आस्थाओं का जीवंत केंद्र है। इसकी दुर्गम घाटियों, ऊंचे शिखर और हिमाच्छादित पर्वतों के बीच अनेक ऐसे दिव्य स्थल हैं, जिनका उल्लेख पौराणिक कथाओं और लोक गाथाओं के साथ जनश्रुति में मिलता है।

उत्तराखंड के चमोली जनपद स्थित संजीवनी शिखर और द्रोणागिरी गांव ऐसे दो धार्मिक स्थल हैं। जो रामायणकालीन घटनाओं, धार्मिक मान्यताओं और स्थानीय लोक विश्वासों से जुड़े हुए हैं।

रामायण के अनुसार लंका युद्ध के दौरान रावण पुत्र मेघनाद (इंद्रजीत) ने लक्ष्मण पर शक्ति बाण का प्रहार किया, जिससे वे मूर्च्छित हो गये। तब वैद्य सुषेण ने भगवान राम से कहा कि लक्ष्मण के प्राण बचाने के लिए हिमालय स्थित द्रोणागिरी पर्वत से संजीवनी बूटी लानी होगी। भगवान राम के आदेश पर हनुमान, हिमालय स्थित द्रोणागिरी पहुंचे। लेकिन अनेक दिव्य औषधियों के बीच संजीवनी की पहचान नहीं कर सके। ऐसे में उन्होंने पर्वत का एक भाग उखाड़ लिया और उसे लेकर लंका पहुंचे। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यात्रा के दौरान हनुमानजी ने जिस स्थान पर कुछ समय के लिए विश्राम किया। वह स्थान आज संजीवनी शिखर के नाम से विख्यात है। यह क्षेत्र हनुमान भक्तों के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है।

संजीवनी शिखर का धार्मिक महत्व

समुद्र तल से साढ़े दस हजार फीट की ऊंचाई पर संजीवनी शिखर स्थित है। यह ज्योतिर्मठ के शिखर पर स्थित है। यह प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक शांति का अद्भुत संगम स्थल है। यहां स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। मान्यता है कि सच्चे मन से की गई पूजा-अर्चना और प्रार्थना भक्तों की मनोकामना पूर्ण करती है।

पर्वत देवता, द्रोणागिरी

द्रोणगिरी गांव के ग्रामीण पर्वत देवता को अपना आराध्य मानते हैं। जिस तरह सनातन धर्मावलम्बी हनुमान को संकटमोचक मानते हैं। वैसे ही इस गांव के ग्रामीणों के पर्वत देवता संकटमोचक हैं। द्रोणगिरी पर्वत से संजीवनी बूटी को ले जाने के बाद इस पर्वत का एक हिस्सा वनस्पतिविहीन हो गया। इस कारण यहां के निवासी हनुमान की पूजा नहीं करते हैं। ये हनुमान के बजाय पर्वत को अपना आराध्य मानते हैं। वहीं, किसी भी विपत्ति में ग्रामीण पर्वत देवता का स्मरण करते हैं।

गांव की अनूठी परंपरा

द्रोणागिरी पर्वत की तलहटी में द्रोणागिरि गांव स्थित है। अपनी विशिष्ट धार्मिक परंपराओं के कारण इसकी देश में अलग पहचान है। यह भारत का इकलौता ऐसा गांव है। जहां रामलीला का मंचन केवल तीन दिन तक होता है। यह लोक संस्कृति और क्षेत्रीय मान्यताओं का एक अनूठा उदाहरण है। यद्यपि देशभर में हनुमानजी को अत्यंत श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा जाता है। लेकिन द्रोणागिरि गांव इसका अपवाद है।

पर्वत और औषधीय संपदा

द्रोणागिरी पर्वत को दुर्लभ औषधीय वनस्पतियों का भंडार माना जाता रहा है। आयुर्वेद और स्थानीय परंपराओं में यहां का उल्लेख मिलता है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यहां अनेक ऐसी जड़ी-बूटियां पाई जाती हैं, जिनमें औषधीय गुण मौजूद हैं। पौराणिक मान्यताओं के कारण यह पर्वत केवल एक भौगोलिक संरचना नहीं, बल्कि श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक है। यही कारण है कि द्रोणागिरी का नाम सुनते ही लोगों के मन में संजीवनी बूटी और हनुमान जी की कथा जीवंत हो उठती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

हरित खाद्य के उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा देना है : प्रमोद एक्का

किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन किया प्रदान

संवाददाता

साहिबगंज: आत्मा समिति सहाय योजना अंतर्गत कृषि विभाग एवं आत्मा साहिबगंज के संयुक्त तत्वावधान में आत्मा सभागार साहिबगंज में खेत बचाओ अभियान विषय पर एक दिवसीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों एवं आम नागरिकों के बीच उर्वरकों के विवेकपूर्ण उपयोग, प्राकृतिक खेती, मृदा संरक्षण सतत कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना जनभागीदारी सुनिश्चित करना था।ज्ञात हो कि रखेत बचाओ अभियान का आयोजन पूरे देश में 01 जून से 30 जून, 2026 तक किया जा रहा है। इसी क्रम में साहिबगंज जिले की सभी पंचायतों में भी अभियान के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक आत्मा प्रमोद एक्का ने कहा कि अभियान के तहत हरित खाद्य के उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा देना है ।उर्वरकों के संतुलित एवं विवेकपूर्ण प्रयोग को प्रोत्साहित करना, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना, किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराना तथा कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पात्र किसानों के बीच मिनीकिट एवं बीज वितरण, किसान क्रेडिट कार्ड केसीसी फसल बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से शत-प्रतिशत आच्छादन का भी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जबकि वरीय कृषि वैज्ञानिक-सह-प्रधान डॉ. सुप्रिया सिंह ने मिट्टी एवं खेतों के संरक्षण पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोग से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित हो रही है। उन्होंने किसानों से जैविक खेती, वर्मी कम्पोस्ट, हरी खाद एवं जैविक उर्वरकों के उपयोग को अपनाने का आह्वान किया, ताकि भूमि की उत्पादकता लंबे समय तक बनी रहे और आने वाली पीढ़ियों के लिए उपजाऊ मिट्टी सुरक्षित रखी जा सके ।उप परियोजना निदेशक, आत्मा ने किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने की आधुनिक एवं व्यवहारिक तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने किसानों को नियमित रूप से मिट्टी की जांच कराने तथा मृदा स्वास्थ्य कार्ड की अनुशंसाओं के अनुरूप उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी ।कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग के पदाधिकारियों ने किसानों को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अनुदान आधारित योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की और अधिक से अधिक किसानों को इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। जिसमें द्वितीय सत्र में सवाल-जवाब कार्यक्रम आयोजित किया गया ।जिसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए किसानों ने खेती-किसानी, फसलों में लगने वाली बीमारियों, उन्नत बीजों की उपलब्धता व कृषि संबंधी अन्य समस्याओं को रखा। कृषि विशेषज्ञों द्वारा किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया ।कार्यक्रम में जिला मूल्यांकन पदाधिकारी श्री अरुण कुमार भोक्ता, आत्मा के उप-परियोजना निदेशक श्री मंटु कुमार, विभिन्न प्रखंडों के तकनीकी प्रबंधक , सहायक तकनीकी प्रबंधक , कृषि समन्वयक, किसान सलाहकार सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष किसान उपस्थित थे।

आईटीबीपी ट्रेकिंग अभियान में ऋषव ने बढ़ाया जिले का मान

संवाददाता

साहिबगंज: जिले के युवा ऋषव कुमार सिंह ने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के साथ हिमाचल प्रदेश के दुर्गम चितकुल पर्वतीय क्षेत्र में 11323 फीट की ऊंचाई तक सफल ट्रेकिंग कर साहस, धैर्य और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया है। यह ट्रेकिंग अभियान भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा आईटीबीपी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और चुनौतीपूर्ण मौसम के बीच ऋषव ने सफलतापूर्वक अभियान पूरा कर साहिबगंज का नाम रोशन किया। अपनी सफलता पर ऋषव कुमार सिंह ने कहा कि यह अनुभव उनके जीवन की सबसे यादगार उपलब्धियों में से एक है। उन्होंने इस अवसर और मार्गदर्शन के लिए आईटीबीपी तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग, प्रेरणा और उत्कृष्ट आयोजन ने इस चुनौतीपूर्ण अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राजमहल मॉडल कॉलेज के प्राचार्य डॉ रंजीत सिंह ने ऋषव की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऋषव ने अपनी मेहनत, लगन और साहस के बल पर न केवल कॉलेज बल्कि पूरे साहिबगंज जिले का गौरव बढ़ाया है। उनकी उपलब्धि अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी ऋषव इसी तरह नई ऊंचाइयों को छूते हुए जिले और राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे। ऋषव की इस सफलता पर शिक्षकों, छात्रों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नुक्कड़ सभा के माध्यम से नशा मुक्ति एवं सरकारी योजनाओं के प्रति किया गया जागरूक

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा: प्रखंड के चांदशहर पंचायत में सोमवार को सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, साहिबगंज के निदेर्शानुसार फ्रेंड्स फाउंडेशन की ओर से जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत नुक्कड़ सभा आयोजित कर ग्रामीणों को नशा मुक्ति, शिक्षा के महत्व, मैया सम्मान योजना एवं सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों एवं टीम सदस्यों ने गीत, नाटक एवं संवाद के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। साथ ही बच्चों एवं युवाओं को शिक्षा से जोड़ने तथा महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। नुक्कड़ सभा में उपस्थित ग्रामीणों को बताया गया कि नशा समाज और परिवार दोनों के लिए घातक है। इससे युवाओं का भविष्य प्रभावित होता है। इसलिए नशा मुक्त समाज के निर्माण में सभी की भागीदारी आवश्यक है। इसके अलावा महिलाओं एवं किशोरियों के सशक्तिकरण के लिए संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई। मौके पर टीम लीडर राजेश ठाकुर, बाबूलाल सोरेन, पूजा कुमारी, रेनू देवी एवं कृष्ण शाह सहित फ्रेंड्स फाउंडेशन के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था का थाना प्रभारी ने लिया जायजा सीसीटीवी व सुरक्षा इंतजामों की जांच

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा: राधानगर थाना पुलिस ने सोमवार को थाना क्षेत्र में संचालित विभिन्न बैंकों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने भारतीय स्टेट बैंक उधवा, बैंक ऑफ इंडिया श्रीघर शाखा तथा बैंक ऑफ इंडिया राधानगर शाखा का निरीक्षण किया।निरीक्षण के क्रम में थाना प्रभारी ने बैंक परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यक्षमता, सुरक्षा अलार्म, अग्निशमन उपकरण तथा बैंक के अंदर और बाहर की सुरक्षा व्यवस्था की गहन जांच की। उन्होंने बैंक प्रबंधकों एवं कर्मियों से सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का निर्देश दिया। थाना प्रभारी ने कहा कि बैंक ग्राहकों की सुरक्षा और अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क है। बैंक परिसर में आने वाले संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष नजर रखने तथा सीसीटीवी कैमरों को हमेशा चालू हालत में रखने की आवश्यकता है। उन्होंने बैंक कर्मियों से साइबर ठगी एवं वित्तीय अपराधों के प्रति भी लोगों को जागरूक करने की अपील की। मौके पर पुलिस अधिकारियों ने बैंक परिसर में मौजूद ग्राहकों को भी साइबर अपराधियों से सतर्क रहने, ओटीपी एवं बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने की सलाह दी।

सदस्यता अभियान श्रमिकों की समस्या को लेकर चर्चा

संवाददाता

साहिबगंज:-झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की बैठक प्रखंड परिसर तालझारी में प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद इकरामुल अली की अध्यक्षता में हुई।बैठक मे केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव,केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी देवी एवं जिला अध्यक्ष प्रीतम कुमार पीयूष उपस्थित हुए।बैठक मे संगठन की मजबूती सदस्यता,अभियान श्रमिकों की समस्या को लेकर चर्चा किया गया।केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन कार्यकर्ता की रीड होती है।जिस तरह बिना मानव शरीर का निर्माण नहीं हो सकता है,उसी तरह कार्यकर्ताओ के बिना संगठन नहीं बन सकता,उन्होंने कहा कि जिले में बेरोजगारी पलायन रोजगार भुखमरी की समस्या देखने को मिलती है वैसे मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी नियुक्ति पत्र प्रतिष्ठान द्वारा शोषण के शिकार होते रहते हैं।वही बैठक के बाद प्रखंड विकास अधिकारी से मिलकर अंचल क्षेत्र के विकास सड़क शिक्षा स्वास्थ्यआदि के प्रमुख समस्याओं के प्रति अवगत कराया गया।वही जिला अध्यक्ष प्रीतम कुमार पीयूष ने कहा प्रखंड की संगठन की सूची एक सप्ताह के अंदर जिला कार्यालय मैं जमा करें।बैठक मे पूर्व जिला अध्यक्ष मिथुन कुमार यादव,जिला उपाध्यक्ष बिपिन साह प्रखंड संगठन प्रभारी निखिल यादव अंसार खान,दीपक मंडल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

प्लेटफार्म नंबर एक से अज्ञात अधेड़ का शव बरामद

साहिबगंज :मालदा रेल मंडल अंतर्गत साहिबगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक के पश्चिमी छोर पर स्थित स्टील की कुर्सी पर सोमवार को एक अज्ञात अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने से स्टेशन परिसर में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया।

जीआरपी थाना प्रभारी कैलाश कुमार महतो ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 11 बजे प्लेटफार्म नंबर-1 पर स्टील की कुर्सी पर एक व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा मिला। जांच के दौरान उसकी मौत की पुष्टि हुई। मृतक की उम्र लगभग 55 वर्ष आंकी जा रही है, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी है ।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मामले में यूडी अस्वाभाविक मृत्यु कांड दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जीआरपी मृतक की पहचान करने तथा मृत्यु के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

राजमहल में एमडीएमए ड्रग्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

13.7 ग्राम मादक पदार्थ के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंज: राजमहल थाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 13.7 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को रविवार को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। जानकारी से राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि फुलवरिया पटाल के समीप अवैध मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन एवं कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया ।राजमहल बीडीओ सह सीओ मो. युसुफ की उपस्थिति में पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर छापेमारी की। इस दौरान पुलिस को देखते ही एक युवक भागने लगा जिसे पुलिस जवानों ने पीछा कर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 13.7 ग्राम एमडीएमए जैसा प्रतिबंधित मादक पदार्थ बरामद किया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान फकरुद्दीन शेख उर्फ मिंटू 29 के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान उसने इस अवैध कारोबार में सलमान शेख की संलिप्तता की जानकारी दी, जिसके आधार पर पुलिस ने सलमान शेख को भी गिरफ्तार कर लिया ।पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों ने पूछताछ में अपने अपराध में संलिप्त होने की बात स्वीकार की है। इस संबंध में राजमहल थाना कांड संख्या 181/26 दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट, 1985 की धारा 21 व 27 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है ।इस छापेमारी अभियान में सीओ सह बीडीओ मो. युसुफ, थाना प्रभारी हसनैन अंसारी, पवन यादव, महादेव उरांव, बृजनंदन चौधरी, महेंद्र यादव, दिनेश कुमार सहित पुलिस विभाग के अन्य जवान शामिल थे ।पुलिस अब इस मामले से जुड़े पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी हुई है तथा अवैध मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

पेट्रोल पंप का सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के मदनशाही रोड स्थित एचपी पेट्रोल पंप का सोमवार को सुरक्षात्मक निरीक्षण किया गया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी शशि सिंह ने पेट्रोल पंप पहुंचकर वहां की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा सुरक्षा से संबंधित आवश्यक बिंदुओं की जांच की।निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी ने पेट्रोल पंप प्रबंधन कर्मचारियों को सुरक्षा मानकों का पालन करने सीसीटीवी कैमरों को हमेशा क्रियाशील रखने अग्निशमन उपकरणों की नियमित जांच करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि पेट्रोल पंप जैसे संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस की प्राथमिकता है। सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। पुलिस द्वारा समय-समय पर ऐसे प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर सुरक्षा मानकों की समीक्षा की जाती रहेगी।

गैरेज से मोटरसाइकिल चोरी थाना में प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज: नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गोपालपुल के निकट स्थित एक बंद मोटरसाइकिल गैरेज से बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में दहला निवासी राहुल कुमार शाह ने नगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है ।शिकायत में बताया गया है कि बंद पड़े गैरेज से उनकी मोटरसाइकिल अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने थाना पहुंचकर कार्रवाई की मांग की ।मामले को लेकर नगर थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि राहुल कुमार शाह के बयान के आधार पर कांड संख्या 103/26 दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। चोरी गई मोटरसाइकिल और आरोपियों की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बैंक की सुरक्षा के लिए नियमित रूप से निरीक्षण व रूटीन चेकिंग की जा रही है : थाना प्रभारी

साहिबगंज : पुलिस अधीक्षक के निर्देश के आलोक में बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सोमवार को जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह ने मदनशाही स्थित भारतीय स्टेट बैंक एसबीआई शाखा का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान बैंक परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा गार्ड की तैनाती और ग्राहकों की सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। थाना प्रभारी ने बैंक कर्मियों से सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी भी प्राप्त की। इस संबंध में थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि बैंक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नियमित रूप से निरीक्षण व रूटीन चेकिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किसी प्रकार की आवश्यकता होने पर पुलिस प्रशासन द्वारा हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाता है ।उन्होंने बैंक प्रबंधन को भी सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का निर्देश दिया। पुलिस द्वारा क्षेत्र के विभिन्न बैंकों में समय-समय पर सुरक्षा जांच अभियान चलाया जा रहा है। ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

निजी भूमि पर जबरन स्वास्थ्य उपकेंद्र निर्माण कराने की उपायुक्त से शिकायत

साहिबगंज: राधानगर थाना क्षेत्र के पश्चिम प्राणपुर पंचायत में एक निजी जमीन पर जबरन स्वास्थ्य उप केंद्र निर्माण को लेकर सोमवार को उपायुक्त से शिकायत की गई है। पश्चिम प्राणपुर पंचायत के बादशु शेख ने उपायुक्त को आवेदन देकर अपनी निजी भूमि पर जबरन स्वास्थ्य उपकेंद्र निर्माण कराने का आरोप लगाया है। आवेदन में उन्होंने बताया कि मौजा प्राणपुर स्थित उनकी खरीदी हुई एवं स्वामित्वाधीन भूमि पर कुछ स्थानीय लोगों द्वारा कथित रूप से जबरन निर्माण कार्य कराने का प्रयास किया जा रहा है ।आवेदक का कहना है कि 6 जून की सुबह कुछ लोगों ने मजदूर एवं मिस्त्री लगाकर उनकी भूमि पर साफ-सफाई एवं गड्ढा खोदने का कार्य शुरू कर दिया। विरोध करने पर उनके साथ गाली-गलौज की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित लोग प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए उनकी निजी जमीन पर स्वास्थ्य उपकेंद्र का निर्माण कराना चाहते हैं। बादशु शेख ने उपायुक्त से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने तथा उनकी भूमि पर किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य पर रोक लगाने की मांग की है। आवेदन की प्रतिलिपि उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल, प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी उधवा एवं थाना प्रभारी राधानगर को भी भेजी गई है।

कृषकों के लिए कार्यशाला आयोजित करें भाजपा कार्यकर्ता : अर्जुन मुंडा

खूंटी : भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कार्यकताओं को निर्देश दिया कि कृषि वैज्ञानिकों की उपस्थिति में किसानों के साथ प्रशिक्षण सेमिनार आयोजित करें और कृषकों की आय बढ़ाने सहयोग करें। अर्जुन मुंडा सोमवार को पार्टी के जिला कार्यालय में कार्यकताओं, जिला पदाधिकारियों और मंडल अध्यक्षों की बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की तैयारी है थौर कार्यकताओं की भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि आधुनिक कृषि तकनीकों और वैज्ञानिक खेती के माध्यम से किसानों को अधिक लाभ दिलाया जा सकता है। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। कार्यकताओं को जनसंपर्क अभियान चलाकर केंद्र सरकार की उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष आनंद कुमार ने की। बैठक में जिला उपाध्यक्ष जगन्नाथ मुंडा, संतोष त्रिपाठी, कैलाश राम, गोपाल स्वर्णकार, कंचन सिंह, अनूप साहू, सुबोध कुमार, आशीष कुमार, विजय स्वाति, रुक्मिला सारू, मुचीराय मुंडा, ज्ञान रंजन सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इंडस्ट्री में मेरा शुरुआती दौर बहुत मुश्किलों भरा था

मनोरंजन जगत की चकाचौंध भरी दुनिया में नाम बनाना आसान नहीं है। किस्मत और मेहनत के दम पर काम तो मिल जाता है, लेकिन इंडस्ट्री की थका देने वाली भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी के कारण कई लोग यहां से दूरी बना लेते हैं। ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री ईशा सिंह के साथ हुआ था। अभिनेत्री ईशा सिंह ने बातचीत में बताया कि उनका शुरुआती सफर बेहद मुश्किलों और चुनौतियों से भरा रहा था। अभिनेत्री ने शुरुआती दिनों के संघर्ष को याद करते हुए बताया, 'मेरा शुरुआती दौर यकीनन बहुत मुश्किलों भरा था। एक वक्त तो ऐसा भी था, जब परेशान होकर मैंने अपना पहला शो बीच में ही छोड़ दिया था और वापस अपने घर भोपाल चली गई थी, लेकिन मेरा मानना है कि भगवान ने मेरे लिए कुछ और ही सोच रखा था। उनकी कृपा और मेरी मेहनत की वजह से ही आज मैं इस मुकाम पर खड़ी हूं।' हालांकि, ईशा ने ये भी स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में उन्हें लोगों का भी बहुत साथ मिला और कभी आउटसाइडर जैसा महसूस नहीं हुआ। अभिनेत्री ईशा सिंह कई म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शो बिग-बॉस में भी नजर आ चुकी हैं, जहां उन्हें दर्शकों से प्यार मिला, तो कई बार ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। ट्रोलिंग को लेकर अभिनेत्री का कहना है, 'रियलिटी शोज आपको जनता के सामने एक खुली किताब की तरह रख देते हैं। लोग लगातार आपकी आलोचना करते हैं, लेकिन अब मैंने सीख लिया है कि इन नकारात्मक बातों का खुद पर असर न होने दूं। आज मैं मानसिक और भावनात्मक, दोनों ही स्तर पर पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो चुकी हूं। जब अभिनेत्री ईशा सिंह से पूछा, 'खबरें हैं कि आप अपने आने वाले किसी प्रोजेक्ट में एक 'ऑटिस्टिक' किरदार निभाती हुई नजर आ सकती हैं।

आपको इस तरह के संवेदनशील विषयों की ओर क्या चीज आकर्षित करती है?

अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'यह एक बहुत ही खूबसूरत प्रोजेक्ट है और सही समय आने पर मैं इसके बारे में जरूर बात करूंगी, लेकिन अभी के लिए, मेरा पूरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अपनी फिल्म 'ऑब्सेस' पर ही केंद्रित है। यह एक इमोशनल और बेहद प्रभावशाली फिल्म है और मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें।'

मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं जाह्नवी

हिंदी के साथ ही साउथ की फिल्मों में काम कर चुकी जाह्नवी कपूर ने कहा कि वह दोबारा मलयालम सिनेमा में काम नहीं करना चाहती हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई। हाल ही में फिल्म 'परम सुंदरी' में काम करने के बाद उन्होंने माना कि मलयालम भाषा उनके लिए काफी मुश्किल साबित हुई। जाह्नवी कपूर ने को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि साल 2024 में तेलुगु फिल्म 'देवरा: पार्ट 1' से दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने के बाद अब वे खुद को कई भाषा जानने वाली अभिनेत्री मानती हैं। उन्होंने बताया, 'सच कहूं तो मुझे सभी भाषाएं सीखनी है। लेकिन मलयालम भाषा की फोनेटिक्स (उच्चारण) मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रही। मुझे नहीं लगता कि मुझे दोबारा मलयालम में काम करना चाहिए क्योंकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है। यह बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन तमिल और तेलुगु की आवाजों से मैं काफी हद तक परिचित हूं।' साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर 'गुंजन सक्सेना', 'मिली' और 'देवरा: पार्ट 1' जैसी फिल्में दे चुकी हैं। जाह्नवी तेलुगु फिल्मों का भरपूर आनंद ले रही हैं और तमिल सिनेमा में भी काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, 'मैं तेलुगु फिल्मों में काम करने का सच में आनंद ले रही हूं। मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।' 'पेड्डी' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर में गांव की जिंदगी, मेहनत, संघर्ष और खेलों के प्रति जुनून साफ दिखाई दे रहा है। राम चरण एथलीट 'पेड्डी' की भूमिका में है, जो क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसे कई खेलों के लिए मैदान में उतरता है। वर्तमान में जाह्नवी तेलुगु फिल्म 'पेड्डी' की रिलीज की तैयारी में व्यस्त हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में जाह्नवी के साथ राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में मजबूत सपोर्टिंग कास्ट भी है, जिसमें शिव राजकुमार, दिव्येंदु और बोमन ईरानी शामिल हैं। फिल्म गांव के माहौल, एक्शन और भावनात्मक कहानी का रोमांचक मिश्रण है।

5 जुलाई को गौरी स्प्रैट संग शादी कर सकते हैं आमिर खान!

बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर खान अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ तीसरी शादी करने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों 5 जुलाई को विवाह बंधन में बंध सकते हैं। आमिर के करीबी सूत्रों के अनुसार, यह शादी बेहद सादगीपूर्ण तरीके से की जाएगी। दोनों परिवार के सदस्यों और कुछ करीबी दोस्तों की मौजूदगी में घर पर ही रजिस्टर्ड मैरिज करेंगे। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि शादी के बाद फिल्म इंडस्ट्री के लिए किसी भव्य रिसेप्शन का आयोजन नहीं किया जाएगा। हालांकि, इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिश्ते को सार्वजनिक करने के बाद से गौरी स्प्रैट कई मौकों पर आमिर खान के साथ नजर आ चुकी हैं। गौरी एक सात वर्षीय बेटे की मां है। बताया जाता है कि आमिर और गौरी लगभग 25 वर्षों से एक-दूसरे को जानते हैं और लंबे समय तक दोस्त रहने के बाद दोनों ने अपने रिश्ते को नया नाम देने का फैसला किया। गौरतलब है कि मार्च 2025 में अपने 60वें जन्मदिन के अवसर पर आमिर खान ने मीडिया के सामने गौरी स्प्रैट को अपनी पार्टनर के रूप में परिचित कराया था। इस दौरान उन्होंने बताया था कि दोनों करीब 25 साल से दोस्त हैं, लेकिन कुछ समय पहले ही उनके बीच प्रेम संबंध की शुरुआत हुई। अगर आमिर और गौरी शादी करते हैं, तो यह अभिनेता की तीसरी शादी होगी। आमिर की पहली शादी रीना दत्ता से हुई थी, जिनसे उनके दो बच्चे जुनैद खान और ईरा खान हैं। वर्ष 2002 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद आमिर ने वर्ष 2005 में किरण राव से दूसरी शादी की। इस विवाह से उनका एक बेटा आजाद राव खान है। आमिर और किरण ने वर्ष 2021 में अलग होने का फैसला किया था। हालांकि, आमिर और गौरी की शादी को लेकर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है।

बाबिल खान ने मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को बताया बेमिसाल

अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपनी पहली मलयालम फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने फिल्ममेकर बाबू जनार्दन कर रहे हैं। यह बाबिल खान के अभिनय करियर में एक नए दौर की शुरुआत है। अपकमिंग फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' में अपर्णा बालमुरली, दीपक परंबोल, निखिल नायर, जॉनी एंटनी, जगदीश, सुधीर करमना, आथमिया राजन और जयशंकर जैसे कलाकार होंगे। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बारे में बात करते हुए, बाबिल ने बताया कि वह हमेशा से मलयालम सिनेमा और उसकी कहानी कहने के अंदाज से प्रभावित हैं। बाबिल ने की मलयालम सिनेमा की तारीफ उन्होंने कहा 'मलयालम सिनेमा ने हमेशा मेरे दिल में एक बहुत ही खास जगह बनाई है। यहां कहानियां जिस ईमानदारी, संवेदनशीलता और भावनात्मक गहराई के साथ कही जाती हैं, वह बेमिसाल है। सिलीगुड़ी में 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू करना मेरे लिए बेहद रोमांचक और रचनात्मक है।'

पिछले कुछ वर्षों में, बाबिल खान ने अपने अनोखे और भावनात्मक रूप से गहरी परफॉर्मेंस के दम पर अपनी एक खास पहचान बनाई है। उन्हें आखिरी बार साइबर थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' में देखा गया था। इसके अलावा, एक्टर को 'कला', 'फ्राइडे नाइट प्लान' और 'द रेलवे मेन' जैसी फिल्मों और सीरीज में अपने काम के लिए भी काफी तारीफ मिली है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईशान का जलवा

अभिनेता ईशान खट्टर हॉलीवुड अभिनेत्री क्रिस्टन स्टीवर्ट और अन्य कई जाने-माने नामों के साथ बियारित्ज फिल्म फेस्टिवल के चौथे एडिशन में जूरी पैनल में शामिल होंगे। यह घोषणा खुद फिल्म फेस्टिवल की ओर से की गई है। ईशान के साथ-साथ फ्रांसीसी निर्देशक, स्क्रिप्ट राइटर और एडिटर नाथन एम्ब्रोसियोनी, फ्रांसीसी अभिनेत्री सूजी बेम्बा, कनाडाई अभिनेत्री व्हिटनी पीक और अन्य लोग भी शामिल होंगे।

ईशान खट्टर के इंटरनेशनल करियर की शुरुआत उनकी पहली फिल्म 'बियॉन्ड द क्लाउड्स' से ही हो गई थी। इसे 2018 में ईरानी फिल्म निर्माता माजिद मजीदी ने निर्देशित किया था। इसके बाद उन्होंने 2021 में लियोनार्डो डि कैप्रियो और जेनिफर लॉरेंस स्टारर फिल्म 'डोंट लुक अप' में एक कैमियो भूमिका निभाई। 2020 में उन्होंने मीरा नायर की ब्रिटिश सीरीज 'ए सूटेबल बॉय' में तब्बू के साथ मुख्य भूमिका निभाई। उनकी 2025 में आई फिल्म 'होमबाउंड' को ऑस्कर के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना गया था और इसे शॉर्टलिस्ट भी किया गया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे ईशान खट्टर

वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशान खट्टर आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'होमबाउंड' में नजर आए थे। दो दोस्तों की कहानी और जातिवाद जैसे गंभीर मुद्दे पर बात करती इस फिल्म को ऑस्कर के लिए भी भारत की ओर से भेजा गया था। फिल्म को कान समेत कई फिल्म फेस्टिवल में भी काफी सराहा गया। नीरज घेवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ईशान के साथ विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। वहीं उनकी आगामी फिल्मों में पलाश वासवानी द्वारा निर्देशित फिल्म 'जुगाड़ू' शामिल है। इसके अलावा पिछले साल आया उनके शो 'द रॉयल्स' के भी दूसरे सीजन की तैयारी चल रही है।

फीफा विश्व कप रेफरी उमर आर्टन को वैध वीजा होने के बावजूद अमेरिका में प्रवेश नहीं मिला

एजेंसी

नई दिल्ली : सोमालिया के रेफरी उमर आर्टन, जिन्हें फीफा विश्व कप में मैच अधिकारियों की सूची में शामिल किया गया था, को अमेरिका में प्रवेश नहीं दिया गया। इसके साथ ही फुटबॉल के सबसे बड़े टूनार्मेंट में मैच संचालित करने वाले अपने देश के पहले रेफरी बनने का उनका सपना टूट गया। वर्ष 2025 में अफ्रीका के सर्वश्रेष्ठ रेफरी चुने गए उमर आर्टन को मियामी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा एजेंसी ने रोक दिया। सोमवार को जारी बयान में एजेंसी ने कहा कि आर्टन को नियमित प्रक्रिया के तहत अतिरिक्त जांच के लिए रोका

गया था। बयान में कहा गया,ह्लजांच के बाद पाया गया कि विश्व कप रेफरी के रूप में यात्रा कर रहे व्यक्ति को सत्यापन संबंधी चिंताओं के कारण प्रवेश के लिए अयोग्य माना गया और उन्हें अमेरिका में प्रवेश नहीं दिया गया। हालांकि एजेंसी ने इन चिंताओं के बारे में कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। उमर आर्टन फीफा विश्व कप के लिए चुने गए सोमालिया के एकमात्र रेफरी थे। जून 2025 से सोमालिया उन देशों की सूची में शामिल है जिन पर अमेरिका ने पूर्ण यात्रा प्रतिबंध लागू किया हुआ है, हालांकि विशेष परिस्थितियों में कुछ मामलों में छूट दी जा सकती है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, आर्टन के पास वैध वीजा और राजनयिक पासपोर्ट दोनों मौजूद थे, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने उन्हें प्रवेश के लिए पर्याप्त नहीं माना। सोमालिया के युवा एवं खेल मंत्रालय के वरिष्ठ सलाहकार सीसे अदन अबशीर ने इस फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा, एक आधिकारिक बयान में कहा, ह्लउमर आर्टन अफ्रीका के सबसे सम्मानित रेफरियों में से एक हैं और उन्हें पूरे फुटबॉल समुदाय का समर्थन मिलना चाहिए। अमेरिका में प्रवेश से इनकार करना और उन्हें निर्धारित मुकाबलों में रेफरी की भूमिका निभाने से रोकना केवल उनके साथ अन्याय नहीं है, बल्कि यह फुटबॉल के निष्पक्षता, योग्यता और खेल भावना के सिद्धांतों को भी कमजोर करता है। उमर आर्टन इससे पहले वर्ष 2023 अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में भी रेफरी की भूमिका निभा चुके हैं और वर्ष 2025 में उन्हें महाद्वीप का सर्वश्रेष्ठ रेफरी चुना गया था। विश्व कप की शुरूआत से पहले यात्रा संबंधी यह नया विवाद सामने आया है। इससे पहले ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के खिलाड़ियों को अमेरिका में प्रवेश के लिए वीजा मिल गया था, लेकिन ईरान फुटबॉल महासंघ ने दावा किया था कि उसके 14 अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों को वीजा देने से इनकार कर दिया गया। महासंघ ने इसे अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बाद प्रतिशोधात्मक व्यवहारह्व बताया था।

माइकल ओलिसे की हैट्रिक से फ्रांस ने उत्तरी आयरलैंड को 3-1 से हराया

एजेंसी

लिले : फीफा विश्व कप की तैयारियों के तहत खेले गए अभ्यास मुकाबले में सोमवार को फ्रांस ने माइकल ओलिसे की शानदार हैट्रिक की बदौलत उत्तरी आयरलैंड को 3-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ फ्रांस ने पिछले सप्ताह आइवरी कोस्ट के खिलाफ मिली हार से वापसी की, हालांकि टीम की रक्षात्मक कमजोरियां एक बार फिर सामने आईं। फ्रांस के लिए माइकल ओलिसे ने एक बार फिर अपनी अहमियत साबित की और विश्व कप से पहले टीम के सबसे प्रभावशाली आक्रमणकारी खिलाड़ियों में खुद को स्थापित किया। मुख्य कोच दिदिए देशां ने इस मुकाबले में लगभग वही टीम उतारी, जिसे विश्व कप के पहले मैच में खेलने की संभावना है। ओलिसे ने किलियन एम्बाप्पे,

उस्मान डेम्बेले और डिजायर डूए के पीछे खेलते हुए आक्रमण की कमान संभाली, जबकि रक्षा में विलियम सलीबा और दायोट उपामेकानो की जोड़ी उतरी। मुकाबले की शुरूआत में फ्रांस लय हासिल नहीं कर पाया और उत्तरी आयरलैंड की मजबूत रक्षात्मक रणनीति को तोड़ने में संघर्ष करता रहा। शुरूआती चरण में टीम को ज्यादा स्पष्ट मौके नहीं मिले। पहला गोल पहले हाफ के समाप्त होने से दो मिनट पहले आया। बाएं छोर से डिजायर डूए के तेज आक्रमण के बाद गेंद डेम्बेले तक पहुंची। उनके शॉट पर डिफ्लेक्शन हुआ और गेंद माइकल ओलिसे के सामने आ गई, जिन्होंने नजदीक से गोल कर फ्रांस को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ की शुरूआत के चार मिनट बाद ओलिसे ने एक और गोल कर अंतर दोगुना कर दिया। उत्तरी आयरलैंड की रक्षा गेंद को साफ नहीं कर सकी और ओलिसे ने हाफ-वॉली के जरिए गेंद को

शुभेंदु सरकार का एक महीना : अवैध घुसपैठियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ उठाए सख्त कदम

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बनी नई सरकार के पहले एक महीने ने राज्य की राजनीति और प्रशासनिक ढांचे में बड़े बदलावों की शुरूआत के संकेत दिए हैं। ब्रिगेड परेड मैदान में पिछले महीने 09 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद शुभेंदु अधिकारी ने भ्रष्टाचार और अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ कई फैसले लिए। पहले ही महीने में भाजपा सरकार ने महिलाओं के लिए अन्नपूर्णा योजना लागू की और करीब 32 लाख महिलाओं के खाते में तीन-तीन हजार रुपये आए हैं। इसके अलावा राज्य की सरकारी बसों में महिलाओं का मुफ्त सफर भी शुरू हुआ है जो नारी शक्ति के लिए बड़ी सौगात के तौर पर देखा जा रहा है। भाजपा सरकार के शुरूआती महीने में सबसे बड़ा फोकस भ्रष्टाचार पर कार्रवाई को लेकर रहा। विभिन्न स्तरों पर हुई जांच और कार्रवाई में कई राजनीतिक नेताओं, अधिकारियों और प्रभावशाली व्यक्तियों के खिलाफ कदम उठाए जाने की जानकारी सामने आई है। रिपोर्टों के अनुसार, सैकड़ों लोगों पर कार्रवाई की गई, जिनमें कई बड़े नाम भी शामिल बताए जा रहे हैं। इनमें पूर्व मंत्री सुजीत बोस, स्वरूप विश्वास, दिलीप मंडल, जहांगीर खान, असित मजूमदार, सब्यसाची दत्त और रविंद्रनाथ चट्टोपाध्याय जैसे नाम चर्चा में रहे हैं। इसी अवधि में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय जैसी एजेंसियों की सक्रियता भी बढ़ी है। खासकर शिक्षक भर्ती घोटाले और अन्य कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी से जुड़े फर्जी हस्ताक्षर मामले में पूछताछ की प्रक्रिया तेज हुई।

सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचार की जांच के लिए एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में विशेष जांच समिति के गठन की घोषणा की है। इसके साथ ही कई मामलों की जांच केंद्रीय एजेंसियों को सौंपने का निर्णय भी लिया गया है। शिक्षा व्यवस्था और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए भी नए कदम उठाए गए हैं।

सीमा सुरक्षा और अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर भी सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। भारत-बांग्लादेश सीमा पर निगरानी बढ़ाने, होल्डिंग सेंटरों के निर्माण और अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी लोगों की वापसी की प्रक्रिया तेज की गई। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जमीन सौंपनी की प्रक्रिया शुरू की गई है ताकि बांग्लादेश सीमा पर तारबंदी किया जा सके।मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के अनुसार, इस एक महीने में लगभग पांच हजार लोग सीमा पार वापस गए हैं, जबकि हजारों लोग अभी भी प्रक्रिया में हैं। सरकार का कहना है कि इससे राज्य की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी।

इस अवधि में केंद्र सरकार की कई प्रमुख योजनाओं को राज्य में लागू करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। सबसे प्रमुख पहल आयुष्मान भारत योजना को लेकर है, जिसे राज्य में लागू करने के लिए समझौता किया गया है। इससे पहले यह योजना लंबे समय तक राज्य में लागू नहीं हो पाई थी। इसके साथ ही स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जन औषधि केंद्रों के विस्तार, दवा उपलब्धता बढ़ाने और कैंसर रोकथाम कार्यक्रमों पर भी जोर दिया गया है।

औद्योगिक विकास को गति देने के लिए भी सरकार ने कई बड़े उद्योगपतियों और कंपनियों के साथ बातचीत शुरू की है। उद्योगपति गौतम अडानी के पुत्र करण अडानी और लार्सन एंड टुब्रो समूह के प्रमुख एस एन सुब्रह्मण्यन के साथ अलग-अलग बैठकें हुई हैं। राज्य में निवेश बढ़ाने और बंद पड़े उद्योगों को पुनर्जीवित करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। हावड़ा के एक उद्योगपति असित चट्टोपाध्याय के अनुसार, ह्लनई सरकार के आने से औद्योगिक माहौल में सुधार की उम्मीद बढ़ी है।ह्व

परियोजनाओं के स्तर पर भी कई बदलाव देखने को मिले हैं। ताजपुर बंदरगाह परियोजना के स्थान पर दादनपात्राबाड़ी में नए बंदरगाह की योजना पर काम शुरू हुआ है। टाटा समूह की वापसी को लेकर भी चर्चा तेज है, खासकर सिंगूर से जुड़े औद्योगिक संदर्भ में। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ हुई बैठक में राज्य में लगभग एक लाख करोड़ रुपये के निवेश की संभावना की बात सामने आई है। लंबे समय से रुकी हुई मेट्रो और रेल परियोजनाओं को भी फिर से गति देने का दावा किया जा रहा है।सरकारी कर्मचारियों के हित में भी कई घोषणाए. की गई हैं। महंगाई भत्ते के बकाया भुगतान की प्रक्रिया शुरू करने और सातवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा को सरकारी कर्मचारी वर्ग एक बड़े निर्णय के रूप में देख रहा है। इसके अलावा नई भर्ती प्रक्रिया को फिर से शुरू करने और आवेदन की अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की वृद्धि करने का निर्णय भी लिया गया है।

हालांकि इस एक महीने के भीतर सरकार को कई विवादों का भी सामना करना पड़ा है। अवैध निर्माण हटाने के लिए चलाए जा रहे अभियानों और बुलडोजर कार्रवाई को लेकर विपक्ष और कुछ सामाजिक संगठनों ने आपत्ति जताई है। कई स्थानों पर हॉकरों के हटाए जाने के विरोध में प्रदर्शन हुए हैं। कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से काम कर रहे छोटे व्यापारियों का कहना है कि उन्हें पर्याप्त समय और पुनर्वास नहीं दिया जा रहा है।

विपक्षी दलों का आरोप है कि सरकार का शुरूआती रुख अत्यधिक आक्रामक और राजनीतिक रूप से प्रेरित है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के महासचिव मोहम्मद सलीम ने कहा है कि यह वही पैटर्न है जो पहले अन्य सरकारों के शुरूआती दौर में देखा गया था। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने आरोप लगाया कि राज्य में विकास की बजाय तोड़फोड़ और हटाने की कार्रवाई ज्यादा दिखाई दे रही है। वहीं तृणमूल कांग्रेस के एक विद्रोही विधायक अखरुज्जमां ने कहा कि पुलिस कार्रवाई और गिरफ्तारी से लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

दूसरी ओर, सत्ताधारी भाजपा का कहना है कि राज्य में लंबे समय से जमे भ्रष्टाचार और अव्यवस्था को खत्म करने के लिए यह सख्ती जरूरी है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शमीक भट्टाचार्य ने कहा है कि राज्य में कानून का राज स्थापित हो रहा है और जनता को राहत मिल रही है।

स्टील से ईवी तक : सेल आइएसपी बर्नपुर बनेगा बंगाल के औद्योगिक भविष्य का नया केंद्र

एजेंसी

पश्चिम बर्दवान : पश्चिम बंगाल के औद्योगिक इतिहास में एक नया अध्याय लिखे जाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। भारी अर्थ-मूविंग मशीनों की गड़गड़ाहट बर्नपुर के उस पुराने औद्योगिक परिदृश्य को बदल रही है, जिसकी नींव प्रथम विश्व युद्ध के अंतिम दौर में वर्ष 1918 में राज्य के पहले एकीकृत इस्पात संयंत्र के रूप में रखी गई थी। अब इस ऐतिहासिक भूमि पर पूर्वी भारत की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड इस्पात विस्तार परियोजना आकार लेने जा रही है, जिसमें दुनिया की सबसे आधुनिक और विशाल ब्लास्ट फर्नेस स्थापित की जाएगी। यह वही भूमि है जिसकी कल्पना महान उद्योगपति और इंजीनियर सर राजेंद्र नाथ मुखर्जी (राजेन) तथा उनके सहयोगियों ने एक सदी पहले की थी। पुराने कारखानों और जर्जर ढांचों को हटाकर अब नए युग के इस्पात संयंत्रों का निर्माण किया जाएगा। इससे दुगार्पुर-आसनसोल-बर्नपुर औद्योगिक क्षेत्र, जिसे कभी पूर्व का ₹रूरलैंडर₹ कहा जाता था, को नई आर्थिक ऊर्जा मिलने की उम्मीद है। यह परियोजना पश्चिम बंगाल के लंबे समय से अधूरे पड़े ऑटोमोबाइल हब बनने के सपने को भी नई गति दे सकती है। आने वाले वर्षों में यहां उच्च गुणवत्ता वाले ऑटोमोबाइल ग्रेड इस्पात का उत्पादन शुरू होने की संभावना है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार 1.7 करोड़ यूनिट से अधिक का हो जाएगा। वर्तमान में देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण संयंत्रों की संख्या सीमित है। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि बर्नपुर में बनने वाला आधुनिक इस्पात संयंत्र इलेक्ट्रिक वाहन और स्पेयर पार्ट्स निमार्ताओं को आकर्षित कर सकता है। सर राजेंद्र नाथ मुखर्जी का जीवन भारतीय औद्योगिक इतिहास की प्रेरणादायक गाथा है। औपनिवेशिक भारत में जब भारतीय उद्यमियों को ब्रिटिश कंपनियों के वर्चस्व वाले क्षेत्रों में अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ता था, तब शिवपुर इंजीनियरिंग कॉलेज से शिक्षा प्राप्त मुखर्जी ने 1890 के दशक में ब्रिटिश इंजीनियर थॉमस एक्विन मार्टिन के साथ मिलकर मार्टिन एंड कंपनी की स्थापना की। मार्टिन के निधन के बाद मुखर्जी इसके एकमात्र साझेदार बने और बाद में बर्न एंड कंपनी का अधिग्रहण कर दोनों को मिलाकर मार्टिन एंड बर्न जैसी औद्योगिक दिग्गज कंपनी का निर्माण किया।

इंदौर में ब्रिक्स कृषि कार्य समूह का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज से, 20 देशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में केन्द्र सरकार द्वारा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन-2026 के अंतर्गत कृषि कार्य समूह का महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज मंगलवार से शुरू हो रहा है। यहां ग्रेंड शेरेटन होटल में 13 जून तक चलने वाले इस उच्च स्तरीय सम्मेलन में 20 देशों के कृषि मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक, नीति निर्धारक एवं विशेषज्ञ शामिल होंगे। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि सम्मेलन में शुरूआती तीन दिन यानी 9 से 11 जून तक कृषि कार्य समूह की बैठकें होंगी और इसके बाद 12 से 13 जून को मुख्य कृषि मंत्रियों की बैठक का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान खाद्य हानि को कम करने, पशुपालन, मत्स्य पालन और किसानों के अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी गंभीर मंथन होगा। केन्द्रीय मंत्री चौहान ने बताया कि यह सम्मेलन भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के कृषि क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित यह सम्मेलन खाद्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, कृषि व्यापार और किसान कल्याण जैसे विषयों पर नई दिशा तय करेगा। सम्मेलन में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, यूगांडा, मिस्त्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, कोलम्बिया, इंडोनेशिया सहित कुल 20 देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि ब्रिक्स की शुरूआत 2006 में हुई थी और आज 11 सदस्य देशों व 10 साझेदार देशों के साथ यह विश्व के सबसे प्रभावशाली समूहों में से एक बन गया है। भारत की अध्यक्षता में अब तक ब्रिक्स कृषि कार्य समूह की लगभग आठ बैठकें हो चुकी हैं। इन बैठकों में खाद्य सुरक्षा, मत्स्य पालन, पशुपालन सहित कृषि से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के लिए यह अत्यंत गौरव और प्रसन्नता का विषय है कि इंदौर में ब्रिक्स देशों के एग्रीकल्चर वर्किंग ग्रुप एवं कृषि मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हो रही है। वैश्विक दृष्टिकोण से यह समूह बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुनिया की लगभग 42 प्रतिशत कृषि भूमि, 68 प्रतिशत कृषि जोतें और करीब 42 प्रतिशत खाद्य उत्पादन इन्हीं ब्रिक्स देशों के पास है। इस मंच पर होने वाला सहयोग पूरी दुनिया की खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करता है। सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी, जिनमें वैश्विक खाद्य सुरक्षा और पोषण, जलवायु, स्मार्ट कृषि, कृषि व्यापार और आपूर्ति शृंखला, डिजिटल कृषि और प्रिसिजन फार्मिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और रोबोटिक्स, किसान कल्याण और अनुसंधान सहयोग शामिल हैं। यह सम्मेलन केवल औपचारिक बैठक नहीं होगा, बल्कि अतिथियों को इंदौर की स्वच्छता, संस्कृति, मालवा की मेहमाननवाजी और कृषि विविधता से भी परिचित कराया जाएगा। कृषि सम्मेलन में शामिल होने के लिए विदेशी मेहमान सोमवार को इंदौर पहुंच गए थे। राज्य शासन द्वारा मेहमानों का स्वागत पुष्पवर्षा से किया गया। विदेशी मेहमानों ने सोमवार की रात इंदौर के प्रसिद्ध 56 दुकान में मालवा के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया। ब्राजील, इथोपिया, इण्डोनेशिया, दक्षिण अफ्रिका आदि देशों से आए मेहमानों ने 56 दुकान में मालवी व्यंजन शिंकजी, दही बड़ा, शाही पोहा, कचौड़ी, पेटिस, साबूदाने की खिचड़ी आदि व्यंजनों का स्वाद चखा। व्यंजनों में हाईजीन का विशेष ध्यान रखा गया।

सराफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के सराफा बाजार में सोना आज 950 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,040 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,420 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह चांदी भी आज पांच हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हो गई। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,680 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,39,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,51,830 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,51,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,51,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,53,480 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,40,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,51,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,39,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,51,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,39,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

हिमाचल प्रदेश में दिन झुलसा रहे, रातें भी तप रहीं, लू का अलर्ट

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में गर्मी केवल दिन में ही नहीं, रातों में भी लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे रात के समय भी गर्मी और उमस का अहसास बना हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार बीते 24 घंटों में प्रदेश के औसत न्यूनतम तापमान में 1.4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। दिन के समय तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच अब रातें भी सामान्य से अधिक गर्म होने लगी हैं। ऐसे में लोगों को चौबीसों घंटे गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने आज और कल 10 जून के लिए बिलासपुर, ऊना और सोलन जिलों के कुछ क्षेत्रों में लू चलने का येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले कल सोमवार को प्रदेश का सबसे अधिक अधिकतम तापमान ऊना में 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान के आंकड़े भी गर्म रातों की तस्वीर पेश कर रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार सिरमौर जिला के पांवटा साहिब में रात का तापमान 27 डिग्री, हमीरपुर के नेरी में 26.2 डिग्री, कांगड़ा जिला के देहरा गोपीपुर में 26 डिग्री, बिलासपुर में 23 डिग्री, शिमला जिला के जुब्बड़हट्टी में 22 डिग्री, कांगड़ा में 21.2 डिग्री, ऊना में 20.6 डिग्री, पालमपुर में 20.4 डिग्री, नाहन में 20.1 डिग्री, सुंदरनगर में 19.8 डिग्री, मंडी में 19.7 डिग्री, धर्मशाला में 19.4 डिग्री, शिमला में 19 डिग्री, बरठीं में 18.4 डिग्री, चंबा में 17.8 डिग्री, सोलन में 17.5 डिग्री, भुंतर में 16.5 डिग्री, सराहन में 16.4 डिग्री, सिओबाग में 16 डिग्री, मनाली में 14.1 डिग्री, भरमौर में 14 डिग्री, कुफरी में 13.7 डिग्री, कल्पा में 10 डिग्री, केलांग में 7.6 डिग्री, ताबो में 7.3 डिग्री और कुकुमसेरी में 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम भी रहा। धर्मशाला में तापमान सामान्य से 1.8 डिग्री, नाहन में 2.7 डिग्री, कांगड़ा में 0.7 डिग्री, चंबा में 1.9 डिग्री, सोलन में 0.2 डिग्री और केलांग में 0.4 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। इसके विपरीत शिमला, मनाली, भुंतर, कल्पा, बिलासपुर, सुंदरनगर और ऊना समेत कई क्षेत्रों में रात का तापमान सामान्य

न्यूज IN ब्रीफ

जल, जंगल और जमीन के अधिकारों के महान योद्धा थे बिरसा मुंडा : मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू

शिमला : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं जनजातीय समाज के गौरव, धरती आबा बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की आवाज को सशक्त बनाया तथा अपना संपूर्ण जीवन जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा और लोक संस्कृति के संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा का संघर्ष, त्याग और राष्ट्र के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि बिरसा मुंडा के विचार और आदर्श आज भी समाज को स्वाभिमान, सामाजिक न्याय और अधिकारों के प्रति जागरूकता के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से उनके आदर्शों को अपनाने और समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा का योगदान भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और जनजातीय अस्मिता के संरक्षण में सदैव स्मरणीय रहेगा।

फायरिंग मामले में पटना सिविल कोर्ट ने खान सर की गिरफ्तारी पर लगाई रोक

पटना : फायरिंग मामले में पटना सिविल कोर्ट ने चर्चित शिक्षक फैजल खान (खान सर) की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रुपेश देव ने अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। सोमवार को खान सर के वकील अरविंद कुमार महूआर के द्वारा कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की गयी थी। इसके साथ ही गिरफ्तार दोनों सुरक्षा गार्ड की जमानत के लिए भी याचिका दायर की गयी थी। शनिवार को खान सर के कोर्ट में सरेंडर करने की खबर आयी थी, लेकिन उन्होंने सरेंडर नहीं किया। उनके वकील अरविंद कुमार महूआर ने बताया था कि शनिवार को कोर्ट 1:30 बजे बंद हो गया, इसलिए अग्रिम जमानत याचिका दायर नहीं कर पाए। इसके बाद सोमवार को खान सर के वकील ने कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की। सोमवार को कोर्ट ने सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया था। मंगलवार को पटना सिविल कोर्ट ने खान सर की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 30 जून को होगी। दो जून की रात पटना के चर्चित खान सर के कोचिंग सेंटर पर हमला हुआ था। खान सर ने प्रतिद्वंद्वी कोचिंग ज्ञान बिंदु के संचालक पर हमला कराने और फायरिंग करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने मामले में सीसीटीवी की जांच की थी, जिसमें खान सर के गार्ड की पिटाई होते और बैनर पोस्टर फाड़ते लोग दिखाई दे रहे हैं, लेकिन पुलिस ने फायरिंग की पुष्टि नहीं की थी। सीसीटीवी में कोई भी फायरिंग करते नहीं दिखा था। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए ज्ञान बिंदु कोचिंग संचालक रौशन आनंद को गिरफ्तार किया। इसके बाद एक सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें खान सर के ही गार्ड फायरिंग करते नजर आ रहे हैं। वीडियो के आधार पर पुलिस ने खान सर के दोनों गार्ड को गिरफ्तार किया। पुलिस की पूछताछ में गार्ड ने कबूल किया कि उसने खान सर के कहने पर गोली चलायी। इसके बाद पुलिस ने खान सर के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

तालाब में नहाने गए दो किशोरों की डूबने से मौत, तीसरे को ग्रामीणों ने बचाया

मीरजापुर : उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में देहात कोतवाली क्षेत्र के मझिगवां गांव स्थित तालाब में सोमवार की शाम नहाने के दौरान दो किशोरों की डूबने से मौत हो गई, जबकि एक अन्य किशोर को ग्रामीणों ने समय रहते बाहर निकालकर उसकी जान बचा ली। घटना से मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए। जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद मीरजापुर में तैनात अधिशासी अधिकारी के अर्दली रामनाथ सोनी का 15 वर्षीय पुत्र अमित उर्फ बाबू सोनी अपने मित्रों के साथ घूमने निकला था। उसके साथ सबरी चुंगी निवासी चंटू गुप्त (15) और उसका छोटा भाई मंटू गुप्त (14) समेत अन्य किशोर भी थे। घूमते-घूमते सभी मझिगवां गांव के समीप स्थित तालाब के पास पहुंच गए, जहां उन्होंने स्नान करने का निर्णय लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार नहाते समय अमित उर्फ बाबू सोनी अचानक गहरे पानी में पहुंच गया और डूबने लगा। उसे बचाने के प्रयास में चंटू गुप्त भी पानी में उतरा, लेकिन वह भी गहराई में फंस गया। दोनों को संकट में देख मंटू गुप्त भी तालाब में कूद पड़ा। इस दौरान साथ मौजूद अन्य किशोर घबराकर शोर मचाने लगे। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने मंटू को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन अमित और चंटू का कोई पता नहीं चल सका। सूचना पर देहात कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया। करीब दो घंटे तक चले सर्च अभियान के बाद एसडीआरएफ ने तालाब से दोनों किशोरों के शव बरामद कर लिए। देहात कोतवाल वृजेश सिंह ने बताया कि मझिगवां गांव स्थित तालाब में तीन किशोरों के डूबने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। तत्काल एसडीआरएफ को बुलाकर तलाश अभियान शुरू कराया गया। बचाव कार्य के दौरान एक किशोर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि दो अन्य किशोरों के शव तालाब से बरामद किए गए। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में साय कैबिनेट की बैठक आज

रायपुर : छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज मंगलवार सुबह 11 बजे मंत्रालय में राज्य मंत्रिपरिषद (कैबिनेट) की अहम बैठक आयोजित होगी। बैठक को लेकर सभी विभागों ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। बैठक में खरीफ सीजन को ध्यान में रखते हुए किसानों के लिए खाद और बीज की उपलब्धता की विस्तृत समीक्षा किए जाने की संभावना है। सरकार यह सुनिश्चित करने पर जोर दे सकती है कि प्रदेश के किसानों को खेती के लिए आवश्यक संसाधन समय पर उपलब्ध हों। सूत्रों के अनुसार, कैबिनेट में विभिन्न विभागों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर भी विचार किया जाएगा। विकास कार्यों की गति बढ़ाने, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा प्रशासनिक सुधारों से जुड़े विषय बैठक के एजेंडे में शामिल हो सकते हैं।

गैस सिलेंडर और पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों पर आज रायपुर में कांग्रेस का प्रदर्शन

रायपुर : रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस आज मंगलवार को राजधानी रायपुर में जोरदार विरोध प्रदर्शन करेगी। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में सुबह 11 बजे वीआईपी चौक स्थित इंडियन ऑयल कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए महंगाई के मुद्दे पर अपना विरोध दर्ज कराएंगे। कार्यक्रम का नेतृत्व शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन करेंगे। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों, नेताओं और कार्यकताओं के शामिल होने की संभावना है। कांग्रेस का आरोप है कि लगातार बढ़ रही रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की कीमतों ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। बढ़ती महंगाई के कारण घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है, जबकि केंद्र सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में असफल साबित हुई है। पार्टी नेताओं का कहना है कि आम लोगों की परेशानियों को लेकर कांग्रेस लगातार आवाज उठा रही है और सरकार को जनता के हित में ईंधन एवं गैस की कीमतों पर राहत देनी चाहिए। प्रदर्शन के माध्यम से कांग्रेस महंगाई के मुद्दे को लेकर सरकार पर दबाव बनाने का प्रयास करेगी।

वाराणसी में किराना दुकानदार को मारी गोली, उपचार के दौरान मौत

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वाराणसी में रोहनिया थाना क्षेत्र के सौरव विहार कालोनी के निकट जितेंद्र सिंह पटेल नामक किराना दुकानदार को मकान से कुछ दूर पर अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। देर रात हुई वारदात में मोटरसाइकिल से आए अज्ञात आरोपितों ने जितेंद्र के पीठ पर गोली मारी और भाग निकले। रात में ही जितेंद्र को रोहनिया पुलिस ने ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया था। मंगलवार की सुबह जितेंद्र की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद मौका ए वारदात पर पहुंचे पुलिस उपायुक्त लिपि ने कहा कि घटना के संबंध में मुकदमा पंजीकृत कर आरोपितों की तलाश में सीसीटीवी कैमरे और सघन तलाशी कराई जा रही है। मृतक के परिजनों से भी बातचीत हुई है। किसी पुरानी रंजिश या नई लड़ाई की पूछताछ की जा रही है, जल्द ही आरोपित पकड़े जाएंगे। वही, मृतक की मां सुदामा देवी ने बताया कि परिवार के मोहन पटेल की चंदौली में बबुरी क्षेत्र में तीन बीघा जमीन थी, जिसे एक यादव परिवार ने दस्तखत करवा कर अपने नाम कर लिया था। इसका मुकदमा चलता है।

न्यूज IN ब्रीफ

आजसू ने बड़े आंदोलन का किया ऐलान, पुलिस बर्बरता के खिलाफ खोलेगा मोर्चा

बोकारो: धनबाद में आजसू नेताओं और कार्यकताओं के खिलाफ कथित पुलिस बर्बरता के विरोध में आजसू पार्टी ने बड़ा आंदोलन करने का ऐलान किया है। बोकारो में आयोजित केंद्रीय समिति की बैठक में 22 जून को धनबाद में आक्रोश मार्च निकालने का निर्णय लिया गया। वहीं, संगठन विस्तार के लिए जुलाई में महिला सम्मेलन और अगस्त में युवा सम्मेलन आयोजित करने की भी घोषणा की गई।

बोकारो में आयोजित आजसू पार्टी की केंद्रीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक में पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो, सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी समेत केंद्रीय और जिला स्तरीय पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में संगठन की मजबूती, राज्य के समसामयिक राजनीतिक मुद्दों, जनसरोकार से जुड़े विषयों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। पार्टी नेतृत्व ने भविष्य की रणनीति और संगठन विस्तार पर भी मंथन किया।

बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ। देवशरण भगत ने बताया कि 5 जुलाई को रांची में महिला सम्मेलन और 7 तथा 8 अगस्त को जमशेदपुर में युवा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं और महिलाओं को संगठन से जोड़ने तथा उन्हें नेतृत्व में आगे लाने के लिए पार्टी लगातार प्रयास कर रही है।

वहीं, पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो ने धनबाद की घटना को लेकर सरकार और प्रशासन पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी नेताओं और कार्यकताओं के साथ अन्याय हुआ है, जिससे कार्यकताओं और आम लोगों में भारी आक्रोश है। उन्होंने कहा कि जनभावना का सम्मान करते हुए 22 जून को धनबाद में स्थापना दिवस और बलिदान दिवस के अवसर पर आक्रोश मार्च निकाला जाएगा। आजसू पार्टी ने साफ किया है कि वह जनसरोकार के मुद्दों को लेकर सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी। आगामी कार्यक्रमों के जरिए संगठन को मजबूत करने और राज्यभर में कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की रणनीति पर चर्चा होगी।

धनबाद में रिटायर्ड बीसीसीएल कर्मी के खाते से 35 लाख से ज्यादा की ठगी

धनबाद : एक सेवानिवृत्त बीसीसीएल कर्मी की जीवनभर की जमा पूंजी पर साइबर ठगों ने हाथ साफ कर दिया है। लोयाबाद निवासी वासदेव ठाकुर ने आरोप लगाया है कि उनके पीएफ खाते से फर्जी चेक और जाली हस्ताक्षर के जरिए 35 लाख 50 हजार रुपये निकाल लिए गए। मामले में बैंक कर्मियों और दलालों की मिलीभगत की आशंका जताते हुए पीड़ित परिवार न्याय और रकम वापसी की मांग के लिए अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठा है।

फर्जी दस्तावेज, जाली हस्ताक्षर और नकली चेक से निकाली रकम

पीड़ित वासदेव ठाकुर के मुताबिक, अक्टूबर 2025 में बीसीसीएल से सेवानिवृत्ति के बाद उनके खाते में पीएफ की राशि के रूप में 35।5 लाख रुपये जमा हुए थे। आरोप है कि कुछ लोगों ने फर्जी दस्तावेज, जाली हस्ताक्षर और नकली चेक का इस्तेमाल करके खाते से पूरी रकम निकाल ली। जब उन्हें इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने तत्काल पुलिस और बैंक अधिकारियों से शिकायत की।

32 लाख की रिकवरी अधूरी

जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि ठगी की रकम अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर की गई थी। बताया जा रहा है कि राशि का कुछ हिस्सा मणिपुर और तेलंगाना स्थित खातों में भेजा गया है। पुलिस कार्रवाई में अब तक करीब 3।5 लाख रुपये रिकवर किए जा चुके हैं लेकिन शेष लगभग 32 लाख रुपये की बरामदगी नहीं हो सकी है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि मामले में शामिल लोगों पर अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

राशि वापसी समेत दोषियों पर कार्रवाई की मांग

न्याय की मांग को लेकर पीड़ित परिवार सोमवार से रणधीर वर्मा चौक पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठा है। परिजनों का कहना है कि जब तक ठगी की पूरी राशि वापस नहीं मिल जाती है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होती है, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। पीड़ित का आरोप है कि महीनों बीत जाने के बावजूद उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है जबकि उनकी मेहनत की कमाई अब भी वापस नहीं हो पाई है। राज्य में एक तरफ साइबर अपराध पर लगाम लगाने के दावे किए जा रहे हैं। दूसरी तरफ रिटायर्ड कर्मियों की जीवनभर की कमाई पर ठगों की नजर बनी हुई है।

जेपीएससी पात्रता परीक्षा को लेकर परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर दायरे में सख्त पाबंदियां

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) द्वारा आयोजित झारखंड पात्रता परीक्षा 2024 (विज्ञापन संख्या-08/2025) के कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए रांची प्रशासन ने कड़े सुरक्षा एवं निषेधात्मक आदेश जारी किए हैं। सदर अनुमंडल दंडाधिकारी श्री कुमार रजत ने बीएनएसएस की धारा-163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह आदेश 14 जून 2026 को सुबह 07:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक प्रभावी रहेगा।

प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार परीक्षा केंद्रों के आसपास पाँच या पाँच से अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा, हालांकि सरकारी कार्य में लगे अधिकारी-कर्मचारी, सरकारी कार्यक्रम एवं शवयात्रा को इससे छूट दी गई है। इसके साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि परीक्षा केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र जैसे बंदूक, राइफल, रिवाल्वर, बम, बारूद आदि लेकर चलने पर रोक रहेगी। इसी तरह लाठी-डंडा, तीर-धनुष, गड़ासा, भाला जैसे हरवे-हथियार ले जाने पर भी प्रतिबंध लागू किया गया है, केवल सरकारी ड्यूटी में लगे कर्मियों को छूट होगी। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार की बैठक, सभा या आमसभा के आयोजन पर भी रोक लगाई गई है। प्रशासन का कहना है कि यह कदम परीक्षा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधि को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। उल्लेखनीय है कि उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन के संयुक्त आदेश के तहत परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है।

ब्राह्मणों का कल्याण झारखंड में जरूर होगा : राज्यपाल

ब्राह्मण महासभा के प्रतिनिधिमंडल से कहा गया : ब्राह्मण महासभा

संवाददाता

रांची : ब्राह्मण महासभा झारखंड के संयोजक मनोज कुमार पांडेय एवं अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण समाज के सुनील कुमार पांडेय के नेतृत्व में पांच सदस्यीय एक प्रतिनिधि मंडल 9 सूत्री मांगों को लेकर महामहिम राज्यपाल से मिलकर मांग पत्र सोपा गया, राज्यपाल महोदय से संयोजक मनोज कुमार पांडेय ने अनुरोध पूर्वक कहा की झारखंड में ब्राह्मणों के कल्याण के लिए ब्राह्मण आयोग का गठन यथाशीघ्र किया जाए, धार्मिक न्यास परिषद में झारखंड के साधू सन्यासियों की नियुक्ति हो ,सभी मठ मंदिरों में पुजारी को कम से कम राज्य कर्मियों के अनुरूप ₹ 25 हजार रुपया प्रतिमाह भुगतान दिया जाए, बीपीएल ब्राह्मणों के बच्चे बच्चियों को शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति राशि दी जाए साथ ही साथ सर्वे आधारित ब्राह्मण जो

बीपीएल श्रेणी में आते हैं को चिन्हित कर उनके लिए आवास, बच्चियों की शादी हेतु 10 लाख रुपए की राशि झारखंड सरकार द्वारा दिया जाए, इसके अलावा महामहिम से भगवान परशुराम जी के प्राकट्य दिवस पर(अक्षय तृतीया) ढ्ढी अू३ के तहत पूरे राज्य में छुट्टी घोषित हो, भगवान परशुराम के मंदिर एवं अन्य कार्य हेतु राज्य के राजधानी में 11 एकड़ भूमि मंदिर, धर्मशाला ,गौशाला पंसाला आदि के लिए उपलब्ध कराई जाए, झारखंड सरकार को यह भी आदेश दिया जाए कि गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष पद पर ब्राह्मणों की नियुक्ति हो ताकि गाय का संरक्षण ,सर्वर्धन जैसे महत्वपूर्ण कार्य किया जा सके। इसके अलावा महामहिम महोदय से अनुरोधपूर्वक संस्कृत विषय को पूर्व की भांति अनिवार्य विषय के रूप में प्रथम कक्षा से लेकर दसवीं कक्षा तक लागू किया जाए।

महामहिम राज्यपाल महोदय ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन देते हुए कहें कि ब्राह्मणों का कल्याण झारखंड में अवश्य होगा साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि आपके सभी मांगों पर विचार करते हुए सरकार को अग्रसारित किया जाएगा। प्रतिनिधि मंडल में ब्राह्मण महासभा के संयोजक मनोज कुमार पांडेय अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण समाज के केंद्रीय अध्यक्ष सुनील कुमार पांडेय, ब्राह्मण नेता विपिन पांडेय, रोशन मिश्रा, देवचरण पांडेय द्वारा राज्यपाल महोदय को गीता का पुस्तक, शाल एवं बुके देकर समाज द्वारा सम्मानित किया गया।

डीसी ने उद्योग विभाग के संचालित स्वरोजगार एवं उद्यम प्रोत्साहन योजनाओं की समीक्षा की

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में उद्योग विभाग द्वारा संचालित विभिन्न स्वरोजगार एवं उद्यम प्रोत्साहन योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी।इसमें मुख्य रूप से प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (ढटएॠ) और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (ढटऋटए) की प्रगति की समीक्षा की गयी।पीएमएफएमई योजना की समीक्षा में बताया गया कि निर्धारित लक्ष्य 75 के विरुद्ध कुल 91 आवेदन विभिन्न बैंकों को भेजा गया है जिसमे बैंकों के तरफ से सिर्फ 4 स्वीकृत किये गये हैं।इसपर उपायुक्त श्री शेखावत ने धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए आवेदकों की स्वीकृति एवं लाभुकों के खाते में राशि भुगतान करने के कार्य में तेजी लाने की बात कही।बैठक में बताया गया कि पीएम विश्वकर्मा योजना अंतर्गत अबतक जिले में 909 आवेदन प्राप्त किए गए हैं।बैंक वार लंबित पड़े आवेदनों का रीव्यू किया।

कम प्रगति पर डीसी ने जताया असंतोष : ऋण वितरण की धीमी रफ्तार पर जिला दंडाधिकारी श्री शेखावत ने सख्त असंतोष व्यक्त किया।उन्होंने सभी बैंकों को निर्देशित किया कि स्वीकृत हो चुके मामलों का नियमानुसार जल्द से जल्द निष्पादन करें।उन्होंने कहा कि पलामू में उद्योगों के विकास से आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नये अवसर सृजित होंगे और यह तभी संभव है जब विभिन्न बैंकों का इसमें अपेक्षित सहयोग प्राप्त होगा। उन्होंने बैंकों को बिना किसी ठोस व तकनीकी कारण के आवेदनों को अस्वीकृत करने से बचने की बात कही।इस अवसर पर जिला उद्योग महाप्रबंधक रघुबर सिंह,एलडीएम अशोक श्रीवास्तव,विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि समेत उद्योग विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रजिस्टर्ड अस्पतालों के नाम पर चल रहे अवैध नर्सिंग होम पर सिविल सर्जन का एक्शन

संवाददाता

चतरा : जिले में संचालित निजी नर्सिंग होम और अस्पतालों के संचालन को लेकर सिविल सर्जन डॉ. सत्येंद्र प्रसाद सिन्हा ने सख्त रुख अपनाया है। सिविल सर्जन ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि जो निजी अस्पताल या नर्सिंग होम किसी पंजीकृत अथवा प्रतिष्ठित ब्रांड, संस्था या अस्पताल के नाम का उपयोग कर रहे हैं, वे या तो तत्काल अपना नाम बदल लें अथवा संबंधित संस्था से प्राप्त अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) विभाग के समक्ष प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि बिना वैध अनुमति के किसी अन्य अस्पताल, संस्था या ब्रांड के नाम का उपयोग करना नियमों के विरुद्ध है। ऐसे मामलों को गंभीरता से लिया जाएगा और जांच के दौरान अनियमितता पाए जाने पर संबंधित संस्थान के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सिविल सर्जन ने चेतावनी देते हुए कहा कि निर्धारित समय के भीतर नाम परिवर्तन या एनओसी उपलब्ध नहीं कराने वाले संस्थानों का लाइसेंस रद्द करने के साथ-साथ उन्हें सील भी किया जा सकता है।

उन्होंने सभी निजी नर्सिंग होम संचालकों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्धारित मानकों और नियमों का पूर्णतः पालन करने का निर्देश दिया। कहा कि मरीजों की सुरक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को ध्यान में रखते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही या नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।सिविल सर्जन ने कहा कि जिले में संचालित सभी निजी स्वास्थ्य संस्थानों की नियमित निगरानी की जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई जारी रहेगी।

रामपुर गोलीकांड के मुख्य आरोपी ने कोर्ट में किया सरेंडर, रिमांड पर लेगी पुलिस

संवाददाता

पलामू: जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के रामपुर गोलीकांड के मुख्य आरोपी मंटू सिंह ने पलामू कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया है। मंटू सिंह को पलामू पुलिस रिमांड पर लेगी और पूछताछ करेगी। मंटू सिंह 17 दिन से फरार चल रहे थे। चैनपुर थाना प्रभारी लालजी ने आत्मसमर्पण की पुष्टि की है।

क्या है पूरा मामला

दरअसल, 23 मई को चैनपुर थाना क्षेत्र के रामपुर में जमीन विवाद को लेकर फायरिंग की घटना हुई थी। इस घटना में सकेंद्र चौधरी नामक युवक की मौत हो गई थी। जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए थे। घटना के बाद पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था। रामपुर गोलीकांड मामले में 17 नामजद और 23 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने उस दौरान कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं, बाकी की तलाश के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। गोलीकांड के मुख्य आरोपी मंटू सिंह को ही बताया जा रहा था। मामले में चैनपुर थाना प्रभारी लालजी ने बताया कि पुलिस गोलीकांड के मुख्य आरोपी मंटू सिंह को रिमांड पर लेगी और पूछताछ करेगी।

बता दें कि रामपुर गोलीकांड के खिलाफ एक विरोध आंदोलन शुरू किया गया था। 5 जून को एक विरोध मार्च भी निकाला गया था, जिसमें झारखंड और बिहार के कई विधायक शामिल हुए थे। इस दौरान पलामू और गढ़वा जिला प्रशासन द्वारा पूरे रामपुर इलाके में निषेधाज्ञा लगा दिया गया था।

झारखंड में मौसम ने ली करवट, कई जिलों में बारिश और वज्रपात के आसार

संवाददाता

रांची : झारखंड में गर्मी से परेशान लोगों को आने वाले दिनों में कुछ राहत मिल सकती है। मौसम केंद्र के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, 9 जून से राज्य के कई हिस्सों में मौसम सक्रिय रहने की संभावना है। दक्षिणी और मध्य झारखंड के जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है जबकि कुछ इलाकों में तेज हवाएं भी चलने की आशंका जताई गई है।

मौसम में बदलाव की वजह

झारखंड के मौसम में बदलाव की मुख्य वजह वातावरण में सक्रिय दो ट्रफ प्रणालियां और दक्षिण-पश्चिम मानसून की लगातार बढ़त है। एक तरफ पूर्वी उत्तर प्रदेश के आसपास बने चक्रवाती परिसंचरण क्षेत्र से होते हुए मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के रास्ते उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश तक फैली हुई है। वही दूसरी तरह पूर्वी बिहार से गंगीय पश्चिम बंगाल होते हुए उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक सक्रिय है। इन दोनों प्रणालियों के कारण झारखंड में नमी की आपूर्ति बनी हुई है, जिससे वर्षा के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन रही हैं।

तापमान पर पड़ेगा असर

पिछले कुछ दिनों से राज्य के कई हिस्सों में तापमान बढ़ रहा था लेकिन अब मौसम में बदलाव का असर तापमान पर भी दिख सकता है। मौसम विभाग का अनुमान है कि बारिश और बादलों की वजह से अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। रांची में 9 जून को अधिकतम तापमान लगभग 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

10 जून को इन इलाकों पर रहेगा असर

10 जून को राज्य के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए रहने की संभावना है। उत्तर-पश्चिमी जिलों को छोड़कर अन्य क्षेत्रों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने इस दिन भी गर्जन, वज्रपात और तेज हवाओं की संभावना जताई है। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

11 जून को और सक्रिय हो सकता है मौसम

11 जून को मौसम गतिविधियां और बढ़ सकती हैं। धनबाद, बोकारो, कोडरमा, हजारीबाग, रामगढ़, रांची तथा आसपास के जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। कुछ स्थानों पर तेज हवाओं की रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। वज्रपात की घटनाओं को देखते हुए मौसम विभाग ने विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। किसानों और आम लोगों के लिए सलाह मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि गर्जन और वज्रपात के दौरान खुले स्थानों पर जाने से बचें। खेतों में काम कर रहे किसान मौसम की स्थिति पर नजर रखें और खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर शरण लें। तेज हवाओं की आशंका को देखते हुए कच्चे ढांचे और खुले में रखे सामान को सुरक्षित रखने की भी सलाह दी गई है।

अगले कुछ दिनों का संकेत

मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक 12 से 14 जून के बीच भी राज्य के कई हिस्सों में रुक रुककर बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं की गतिविधियां जारी रह सकती हैं। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

यौन हिंसा मामले को लेकर हाईकोर्ट गंभीर, पीड़ितों की सुरक्षा को लेकर 19 निर्देश जारी

संवाददाता

रांची: झारखंड उच्च न्यायालय ने यौन हिंसा और पॉक्सो मामलों में पीड़िताओं के अधिकारों की बेहतर सुरक्षा, त्वरित न्याय तथा पुनर्वास के लिए राज्य सरकार, पुलिस और संबंधित विभागों को 19 सख्त और तत्काल लागू करने वाले निर्देश जारी किए हैं।

मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने स्पष्ट कहा कि इन मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ प्राथमिकी भी दर्ज की जा सकती है।

जीरो एफआईआर अनिवार्य, इनकार पर कार्रवाई

अदालत ने निर्देश दिया कि यौन हिंसा की किसी भी शिकायत पर बिना किसी देरी के जीरो एफआईआर दर्ज की जाए। यदि कोई पुलिसकर्मी एफआईआर दर्ज करने से इनकार करता है या विलंब करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तुरंत चिकित्सा एवं फॉरेंसिक जांच

पीड़िता को घटना के तुरंत बाद प्राथमिक चिकित्सा मुहैया कराई जाए। मेडिकल और फॉरेंसिक जांच समयबद्ध तरीके से पूरी की जाए। जांच के दौरान पीड़िता की गोपनीयता और सम्मान बनाए रखने के लिए विशेष दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। समर्पित जांच अधिकारी और समय-सीमा मामलों की निष्पक्ष एवं तेज जांच के लिए एसपी/एएसपी स्तर के अधिकारियों की निगरानी में समर्पित जांच अधिकारी नियुक्त किए जाएं। अदालत ने जांच में अनावश्यक देरी को गंभीरता से लिया है क्योंकि इससे सबूत नष्ट होने का खतरा रहता है।

महिला अधिकारी द्वारा बयान दर्ज

यौन अपराध से पीड़ित महिलाओं और बच्चों का बयान केवल महिला पुलिस अधिकारी द्वारा दर्ज किया जाएगा।

कानूनी सहायता, सुरक्षा और पुनर्वास

अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि पीड़िताओं को निःशुल्क कानूनी सहायता, अस्थायी आश्रय, पुलिस सुरक्षा

और गवाह संरक्षण की व्यवस्था की जाए। साथ ही तत्काल आर्थिक मुआवजा, मनोवैज्ञानिक परामर्श, रोजगार सहायता और दीर्घकालिक सामाजिक-आर्थिक पुनर्वास की स्पष्ट नीति बनाकर लागू की जाए। अदालत ने यह भी कहा कि मामले का फैसला चाहे किसी भी रूप में आए, पीड़िता के लिए अंतिम मुआवजा तय करना अनिवार्य होगा।

गोपनीयता भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई

मीडिया, पुलिस और न्यायालय से जुड़े सभी कर्मियों को सर्वोच्च न्यायालय के निदेशों का पालन करते हुए पीड़िता की पहचान गोपनीय रखनी होगी। उल्लंघन करने वालों पर विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हेल्पलाइन को मजबूत करने के निर्देश

अदालत ने महिला हेल्पलाइन 181 और आपातकालीन सेवा 112 को और अधिक प्रभावी बनाने तथा दोनों को आपस में जोड़ने पर भी विचार करने को कहा है। झारखंड हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता धीरज कुमार ने इन निदेशों को पीड़ित-केंद्रित न्याय व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। अदालत ने साफ कहा है कि इन 19 निदेशों का पालन तत्काल और अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए।